जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 108 प्रभात कोटा, शुक्रवार 31 जनवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चुनाव आयोग के अधिकारियों को दो घंटे के इंतज़ार के बाद पंजाब के मु.मंत्री के निवास पर ''एंट्री'' मिली दिल्ली में

अधिकारियों को शिकायत मिली थी कि मु.मंत्री निवास, कपूरथला हाउस से मतदाताओं को पैसा वितरित किया जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। दिल्ली में कपूरथला हाउस के बाहर तीन घंटे तक भारी ड्रामेबाजी देखी गई। कपूरथला हाउस असल में पंजाब के मुख्यमंत्री का दिल्ली आवास है। चुनाव आयोग के दो अधिकारी इस शिकायत पर कार्यवाही कर रहे थे कि कपूरथला हाउस से पैसे बांटे जा रहे हैं। जब ये अधिकारी कपूरथला हाउस पहुंचे तो गेट बंद थे पुलिस ने उन्हें अंदर आने की अनुमति नहीं दी।

अधिकारियों ने दो घंटे इंतजार किया उसके बाद मुख्यमंत्री मान ने उन्हें अंदर आने की अनुमति दी। मान उस समय आतिशी के चुनाव क्षेत्र में थे। चुनाव आयोग के अधिकारी सतर्कता विभाग की 6 सदस्यीय टीम के साथ आए थे।

रेड में उन्हें कुछ नहीं मिला क्योंकि अधिकांश कमरे बंद थे। वे लोग खाली हाथ लौट गए और अब चुनाव आयोग में रिपोर्ट देंगे।

देखना यह है कि चुनाव आयोग अब क्या एक्शन लेता है। बुधवार को एक कार दिल्ली में पंजाब भवन के सामने खड़ी हुई नज़र आई जिसमें नकदी, शराब की बोतलें और आम आदमी पार्टी के पर्चे मिले। किसी ने भी कार के मालिक होने का दावा नहीं किया है।

केजरीवाल को इस समय अपने इस बयान के कारण भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है कि हरियाणा सरकार दिल्ली आ रहे यमुना के पानी में जहर मिलाती है। अगर वे अपना आरोप सिद्ध नहीं कर पाए तो उन्हें चुनाव लड़ने के अयोग्य भी ठहराया जा सकता है।

भाजपा और चुनाव आयोग केजरीवाल के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने पर आमादा है और उनके लिए एक के बाद एक अड़चनें पैदा कर रहे हैं।

दिल्ली का चुनाव दिन ब दिन रोचक होता जा रहा है।

- जाँच करने गई टीम को कपूरथला हाउस में अधिकतर कमरों पर ताले लगे मिले तथा खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। पर, अधिकारियों ने कहा कि वे इस घटना के बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त को अपनी रिपोर्ट देंगे।
- जैसा कि विदित ही है, पंजाब भवन के बाहर, बुधवार को एक कार मिली थी, जिसमें कैश, शराब की बोतलें व आप की प्रचार-सामग्री पाई गई थी।
- पर, केजरीवाल के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द उनका वो व्यक्तव्य साबित हो रहा है, जिसमें उन्होंने हरियाणा सरकार पर आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार उस पानी में ज़हर मिला रही है, जो वो दिल्ली को भेजती है। अगर, केजरीवाल यह आरोप साबित नहीं कर पाये तो चुनाव आयेग उन्हें ''डिस्क्वालिफाई'' कर सकता है, चुनाव लड़ने के लिये।

चीन का नया एआई ऐप ''डीपसीक'' 1962 के युद्ध को ''रक्षात्मक पलटवार'' बताता है

आज की इन्फॉर्मेशन एज'' में आर्टिफिशल इन्टैंलिजैंस'' (एआई) का उपयोग दुष्प्रचार, कुप्रचार के लिये आसानी से हो सकता है, जैसा कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के बारे में ''डीपसीक'' ने बताया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। यह विडंबना ही है कि इन्फॉर्मेशन के युग में भी दुष्प्रचार और कुप्रचार वैश्विक व्यवस्था के लिए भारी खतरे पैदा कर रहा है। इसका ताजा उदाहरण है, चीन का राज्य-प्रायोजित एआई, डीपसीक, जो कथित रूप से भारत-चीन युद्ध का विवादास्पद नया अर्थ प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के संदर्भ में, जिसे यह देश 'दक्षिणी तिब्बत' के रूप में दर्शाता है। यह युद्ध, जो लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों और भूराजनीतिक तनावों से उत्पन्न हुआ था, भारत में एक संवेदनशील विषय है और चीन के हिस्टॉरिकल नैरेटिव का मुख्य बिंदु बना हुआ है।

डीपसीक एआई के विभिन्न फोरम पर देखे गए आउटपुट के अनुसार, चीन इस संघर्ष को भारत द्वारा भड़काने वाली स्थिति पैदा करने के खिलाफ 'रक्षात्मक पलटवार' बताता है, जबकि भारत का दृष्टिकोण है कि चीन ने बिना उकसावे के आक्रमण किया था। डीपसीक अक्सर चीन की, सैन्य विजय के बाद की तेज वापसी को, चीन की ''शांति चाहने की नीयत'' के रूप में प्रस्तुत करता है। भारतीय विश्लेषक इसे इतिहास की घटनाओं को बदलने के चीन के प्रचार के रूप में देखते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इसका उद्देश्य बीजिंग की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को वैध बनाना है।

तथापि, इतिहासकारों और विदेश नीति विश्लेषकों का विचार है कि 1962 का युद्ध चीन द्वारा शुरु किया गया था, इसलिए उसे प्रमुख आक्रमणकारी कह सकते हैं। उसी वर्ष 20 अक्टूबर को चीन ने सीमा के दोनों- पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में एक समन्वित सैन्य आक्रमण शुरु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ''डीपसीक'' द्वारा प्रस्तुत विवेचना व विश्लेषण के अनुसार, भारत की गैर-कानूनी घुसपैठ से तंग आकर चीन ने नार्थ-ईस्ट में ''रक्षात्मक काउन्टर अटैक'' किया था और यह चीन के शांतिपूर्ण नेक सोच का ही सबूत है कि चीन ने इस युद्ध में जीत हासिल करने के बाद भी जीती हुई भूमि लौटा दी और सीमा पर शांति स्थापित की।
- ''डीपसीक'' का यह प्रस्तुतिकरण सच्चाई से एकदम परे है तथा विश्व यह बहुत पहले स्वीकार कर चुका है कि चीन ने बेवजह आक्रमण किया था। ''डीपसीक'' विश्लेषण, चीन का प्रॉपगैण्डा है, जिसका मकसद, चीन की ''टेरिटोरियल महत्वाकांक्षा'' को लीपा-पोती करके, सही ठहराना है।

पूर्व मु.मंत्री नारायण राणे के पुत्र ने एक बार फिर बुर्का पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

फड़नवीस सरकार में, मंत्री नीतीश राणे ने बुर्का पर प्रतिबंध के लिये अजीबो गरीब तर्क दिया है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। भाजपा नेता तथा महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एक बार फिर बुर्का पर प्रतिबंध का विवाद उठाया है, लेकिन इस बार उन्होंने कुछ असाधारण आधार लिये हैं। उन्होंने राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भुसे को लिखे अपने पत्र में कहा है कि कक्षा 10 एवं 12 की बोर्ड परीक्षा देने वाली छात्राओं के बुर्का पहनने पर रोक लगाई जानी चाहिये, क्योंकि ढ़ीले वस्त्र परीक्षाओं में नकल तथा चीटिंग को आसान बना सकते हैं।

महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक तथा देश के अन्य भागों तक, अदालतें हाल ही के वर्षों में बुर्का पर रोक लगाने संबंधी याचिकाओं में व्यस्त रही हैं। विशेष रूप से, स्कूल-कॉलेजों की छात्राओं के मामले में बहुत मुकदमे दायर हुये हैं।

बहुत से देशों, जिनमें फ्रांस, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, नीदरलैंड्स, बुल्गारिया, बेल्ज़ियम, श्रीलंका, रूस तथा जर्मनी शामिल हैं, में बुर्के पर प्रतिबंध है। स्विट्जरलैंड में तो यह रोक इसी महीने में लगी है। इस सूची में, ताज़िकिस्तान एक मात्र मुस्लिम बहुल देश है, जहाँ हिजाब के उपयोग पर रोक लगाने का कानून लागू हो गया है।

इस मामले में भारत की स्थिति में एक अंतर है। इस अंतर का कारण दक्षिणपंथी संगठनों के पदाधिकारियों के वे उकसाऊ और नफरत भरे भाषण हैं, जो बुर्का पर रोक लगाने की माँग करते समय दिये जाते हैं। राणे, जो इस प्रकार के ''एजेंट प्रवोकेटर'' के रूप में प्रसिद्ध हैं, अपने विवादास्पद बयानों के लिये जाने जाते हैं। पिछले वर्ष दिसम्बर में, उन्होंने केरल को ''मिनी पाकिस्तान'' कह दिया था। उन्होंने कहा था कि यही कारण है कि राहुल और प्रियंका गांधी उस राज्य से सांसद चुने गये। उन्होंने आरोप लगाया था कि ''सभी आतंकवादी उन्हें वोट देते हैं।'' अभी हाल ही में, सैफ अली खान पर चाकू से हुये हमले को लेकर, उन्होंने इस घटना को ''फेक'' बताया था तथा सैफ अली खान को कूड़ा-करकट (गार्बेज) कह दिया था। हाल ही के कुछ वीडियोज़ में, बुर्का पहने एक महिला, जो शराब की दुकान से शराब खरीदने गई थी, को कुछ लोग सिर काटने की धमकी देते हुये सुनाई दे रहे हैं।

राणे, जो महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के पुत्र हैं, ने भुसे को लिखे अपने पत्र में कहा है कि बुर्के पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिये क्योंकि देवेन्द्र फड़नवीस सरकार ''तुष्टिकरण की राजनीति'' में विश्वास नहीं करती है।

- नीतीश राणे का तर्क है कि ढीले-ढाले बुर्के में परीक्षा में ''चीटिंग'' व ''कॉपी'' का काम आसानी से हो सकता है। अतः दसवीं व बारहवीं कक्षा की छात्राओं को परीक्षा देने के लिये बुर्का पहनने की इजाज़त नहीं होनी चाहिए।

विधानसभा सत्र आज से

जयपुर, 30 जनवरी (का.सं.)। सोलहवीं विधानसभा का तृतीय सत्र का शुक्रवार को सुबह 11 बजे राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के अभिभाषण से शुभारम्भ होगा। राज्यपाल के विधानसभा पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी , मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत करेंगे। राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया जाएगा और वे सलामी गारद का निरीक्षण भी करेंगे। राज्यपाल को परम्परा के अनुसार पूर्ण सम्मान के साथ अभिभाषण के लिए सदन में ले जाया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने आज विधानसभा में शुक्रवार से प्रारंभ होने जा रहे तृतीय सत्र की तैयारियों का जायजा लिया। देवनानी ने विधान सभा सदन, राज्यपाल के अगवानी स्थल, चिकित्सा व्यवस्था, कैंटीन सहित विभिन्न कक्षों को देखा और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

'मैरिट के बाद भी महिला सुपरवाइज़र को नियुक्ति क्यों नहीं दी'

जयपुर, 30 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने महिला सुपरवाइजर भर्ती-2024 में मैरिट में आने के बावजूद, एमबीसी वर्ग की अभ्यर्थी को नियुक्ति नहीं देने पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही, अदालत ने एक पद याचिकाकर्ता के लिए सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश नीरज कुमारी की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता स्वप्निल सिंह पटेल ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने बीते साल महिला सुपरवाइजर भर्ती निकाली थी, जिसमें सामान्य पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए अभ्यर्थियों को मै रिट के हिसाब से बुलाया गया। याचिकाकर्ता ने एमबीसी वर्ग में आवेदन किया और राज्य सरकार को इस वर्ग से महिला सुपरवाइजर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया व याचिकाकर्ता के लिये एक पद सुरक्षित रखने को कहा।

'हिन्दुस्तान का वोटर भविष्य के बारे में ज्यादा आशावान नहीं'

सी-वोटर द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार, मतदाता की आशंका का कारण है, महंगाई तो बढ़ रही है, पर वेतन नहीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। एक सी-वोटर सर्वे के अनुसार, अब पहले से कहीं ज्यादा भारतवासी जीवन की बेहतर गुणवत्ता के प्रति कम आशावान होते जा रहे हैं क्योंकि स्थिर वेतन और उच्चतर स्तर के जीवन का खर्च भविष्य भी संभावनाओं को धूमिल कर रहे हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस सर्वे की तरफ ध्यान देती हैं या नहीं, यह उस समय स्पष्ट हो जायेगा, जब वे 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी। यह समाचार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन वे इसे विरोधियों की शरारत बताकर खारिज कर सकते हैं। बजट-पूर्व हुए सर्वे में, 37 प्रतिशत से अधिक सहभागियों ने कहा कि हम यह मानकर चल रहे हैं कि जन सामान्य के जीवन की गुणवत्ता कुल मिलाकर अगले वर्ष बिगड़ेगी। वर्ष 2013 के बाद सब से ज्यादा लोगों ने यह प्रतिक्रिया दी है। पोलिंग एजेंसी सी-वोटर द्वारा जारी ये निष्कर्ष बुधवार को सामने आये। मोदी 2014 से देश के प्रधानमंत्री हैं।

सी-वोटर ने कहा कि उसने इस सर्वे के लिये सभी भारतीय राज्यों के 5269 लोगों का सर्वे किया है।

रुला देने वाली खाद्य पदार्थों की महँगाई ने भारतीय परिवारों के बजट को निचोड़ कर रख दिया है, खर्च करने की क्षमता कमज़ोर हो गई है तथा ऐसा प्रतीत हो रहा है कि विश्व की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ग्रोथ चार सालों में सबसे धीमी गति पर आने को है।

सर्वे में शामिल करीब दो-तिहाई सहभागियों ने कहा कि महँगाई अनियंत्रित बनी हुई है और जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, कीमतें बढ़ती ही जा रही हैं। आधे से अधिक लोगों ने कहा कि महँगाई की दर उनके जीवन की गुणवत्ता पर ''प्रतिकूल'' असर डाल रही है। ऐसी आशा की जा रही है कि मोदी इस सप्ताह आ रहे देश के वार्षिक बजट में लड़खड़ाती आर्थिक ग्रोथ को बढ़ाने के लिये कुछ उपायों की घोषणा करेंगे, डिसपोज़ेबल आमदनी बढ़ायेंगे तथा तनावग्रस्त मध्यम वर्ग को संतुष्ट करेंगे।

सर्वे में शामिल करीब आधे लोगों ने कहा कि उनकी निजी आय तो पूरे वर्ष वही बनी रही है, जबकि खर्चे बढ़ गये हैं। दो-तिहाई लोगों का कहना है कि बढ़ते हुये खर्चों को संभाल पाना मुश्किल हो गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बजट की पूर्व संध्या पर किये गये इस सर्वे के आंकड़ों के अनुसर, 37 प्रतिशत लोग मानते हैं कि उनकी ''क्वालिटी ऑफ लाइफ'' आने वाले समय में घटेगी।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 30 जनवरी। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ चार दिन तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त प्रकाश चंद को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 2.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने भले ही पीड़िता की सहमति से संबंध बनाए हों, लेकिन पीड़िता नाबालिग है और नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता के पिता ने 10 नवंबर, 2020 को फुलेरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि उसकी बेटी गत माह अपनी बहन के घर आई हुई थी। इस दौरान वह 9 नवंबर को विवाह समारोह में गई थी और वहां से लापता हो गई। उसे शक है कि प्रकाश उसे बहला फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अदालत को बताया कि प्रकाश और वह ईंट-भट्टे पर काम करते थे और इस कारण एक-दूसरे को जानते थे। घटना के दिन प्रकाश ने उसे फोन कर बुलाया और अपने साथ सीकर ले गया। यहां से वह उसे पटियाला में भट्टे पर ले गया और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने कहा कि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

कांग्रेस की भांति भाजपा भी अन्तर्कलह से चरमरा रही है कर्नाटक में

कांग्रेस में तो मु.मंत्री सिद्धारमैया व उप मु.मंत्री शिवकुमार के झगड़े आम चर्चा का विषय हैं, पर, अब यह रोग भाजपा को भी अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कर्नाटक में सिर्फ कांग्रेस ही अन्तर्कलह तथा दो वरिष्ठ नेताओं की प्रतिद्वंदिता से नहीं जूझ रही, भाजपा की स्थिति भी खास अच्छी नहीं है, पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के एक बड़े गुट ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बी.एस. येद्दियुरप्पा के पुत्र बी. वाय विजयेन्द्र को हटाने के लिए असंतुष्ट नेताओं ने मुहिम छेड़ दी है। ये नेता कुछ माह पहले से विजयेन्द्र को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर सवाल कर रहे हैं। कुछ वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को विजयेन्द्र के नेतृत्व के खिलाफ खुली बगावत कर दी, इनमें चिकाबल्लापुर के सांसद पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के. सुधाकर प्रमुख हैं।

विजयेन्द्र पार्टी के नेताओं व पदाधिकारियों में वह मान सम्मान हासिल नहीं कर पाए, जो उनके पिता येद्दियुरप्पा को प्राप्त था और जिस तरह से वे पक्षपात से काम कर रहे हैं, सिर्फ अपने ही समर्थकों को आगे बढ़ा रहे हैं, उससे कार्यकर्ता उनसे और ज्यादा दूर हो गए हैं तथा वरिष्ठ नेता भी उनकी इस कार्यशैली से नाराज़ हैं। पार्टी के कई कद्दावर नेताओं को विजयेन्द्र की यह कार्यशैली पसंद नहीं आ रही है।

विजयेन्द्र के पिता पूर्व मुख्यमंत्री और लिंगायत समुदाय के ताकतवर नेता येद्दियुरप्पा पार्टी के निर्विवादित नेता रहे थे। यही नहीं, उन्होंने एक बार पार्टी को करारा सबक भी सिखाया, जब उन्होंने भाजपा छोड़ दी थी और फिर पार्टी बुरी तरह से हार गई थी।

इसके बाद येद्दियुरप्पा को पुनः

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्व मु.मंत्री, लिंगायत महारथी येद्दियुरप्पा कुछ समय पूर्व तक अजेय और एकमात्र नेता थे भाजपा में तथा जब भाजपा ने उनसे छेड़-छाड़ की थी तो वे पार्टी छोड़कर चले गये थे तथा भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था, अगले चुनाव में।
- भाजपा ने गलती स्वीकार करते हुए येद्दियुरप्पा को पुनः पार्टी में आमंत्रित किया और भाजपा पुनः सत्ता में लौटी।
- भाजपा ने संगठन में परिवर्तन करते हुए येद्दियुरप्पा के पुत्र को प्रदेशाध्यक्ष बनाया।
- पर, धीरे-धीरे येदियुरप्पा के पुत्र के खिलाफ फुसफुसाहट शुरु हुई और अब ये शिकायतें भारी शोर में तब्दील हो गई हैं।
- भाजपा के कई भारी नेता संगठित हो गये हैं, येद्दियुरप्पा पुत्र को पदच्युत् कराने के लिये और येद्दियुरप्पा का रूतबा भी उनके विरोध-विद्रोह को रोक नहीं पा रहा है।

महाकुंभ : मेला क्षेत्र में लगी आग, 15 टैंट जले

महाकुंभनगर, 30 जनवरी। महाकुंभनगर के छतनाग घाट पुलिस थाना क्षेत्र में गुरूवार को लगी आग में 15 टेंट जलकर राख हो गए। मुख्य अग्निशमन अधिकरी प्रमोद शर्मा ने बताया कि टेंट में आग लगने की सूचना पर अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि 15 टेंट आग की चपेट में आये थे। फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि जहां आग लगी, वहां शिविर पर शैव संप्रदाय जूना अखाड़े का फर्जी बोर्ड लगा रखा था और शिविर अनाधिकृत रूप से लगाया गया था।

- आग पर काबू पा लिया गया है, कोई जनहानि होने की खबर नहीं है।

शर्मा ने बताया कि इससे कुछ समय पहले, अरैल की तरफ बने डोम सिटी में भी आग लगने की घटना की सूचना मिली थी, जहां चार अग्निशमन वाहनों ने पहुंच कर 40 सेंकेंड्स में आग पर काबू पा लिया। इस घटना में भी कोई जनहानि नहीं हुई है। दोनों आग लगने की घटनाओं के कारण का पता लगाया जा रहा है।

गौरतलब है कि महाकुंभ के मेला क्षेत्र में 19 जनवरी की शाम को शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में आग लगी थी, जिसमें 18 शिविर जलकर राख हो गए थे। लाखों रूपए मूल्य की किताबें और शिविर में रखे नोट भी जलकर नष्ट हो गए थे। आग लगने का कारण गैस सिलेंडर से रिसाव बताया गया था। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई थी।

विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।'' - अरविन्द कटोच

हम होंगे कामयाब, वर्ष 2047 तक, भारत होगा विकसित देश

हमारा देश भारत है। भारत शब्द 'भा' व 'रत' से मिलकर बना है। भा का अर्थ धर्म से है और रत का अर्थ लीन होने से है, अर्थात् देश धर्म प्रधान है। व्यक्ति का धार्मिक होना पर्याप्त नहीं है, नैतिक व चरित्रवान होना आवश्यक है। भारत सांस्कृतिक विविधताओं का देश है। भारत के लोग अलग-2 धार्मों के अनुयायी हैं। लोग 2000 से अधिक भाषायें बोलते हैं। यहाँ विभिन्न जातियां हैं और उनकी संस्कृति है। इस प्रकार देश धर्मों, जातियों, कला व संस्कृतियों का संगम है और यह विविधता ही इसकी सांस्कृतिक धरोहर है, शक्ति है और यही हमारी अखण्ड़ता को अक्षुण्ण बनाये हुये हैं। चारों वेदों ने हमें जो ज्ञान दिया है, उस तक कोई भी देश आज तक पहुँच नहीं पाया है। हमारा स्वर्णकाल कहीं खो गया है, हमें उसे प्राप्त करना है। हमारी परम्परायें और जीवनशैली अद्भुत है।

गांधी की अंहिसक क्रान्ति से हमने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की है। भारत के लोगों ने देश को एक संविधान दिया है। संविधान हमारे लिये गीता, कुरान, बाईबिल आदि धार्मिक ग्रन्थों से कम नहीं है। भारत के संविधान के अनुसार देश एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। जहां व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता को तथा बन्धुता को सुनिश्चित किया गया है। संविधान ने हमें मूल अधिकार दिये। जीने का अधिकार दिया और स्पष्ट किया कि यह अधिकार विलक्षता पूर्ण है क्योंकि यह गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। संविधान में नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख है। न्यायमूर्ति के एस हेगडे के शब्दों में आर्थिक लक्ष्य निर्धारित किये जायें और उन्हें प्राप्त करने के लिये अहिंसक सामाजिक क्रान्ति का सूत्रपात किया जावे। ऐसी सामाजिक क्रान्ति के द्वारा संविधान आम आदमी की बुनियादी जरूरत को पूरा करने और हमारे समाज के सांचे ढांचे को बदलने का प्रयास करता है। इसका अर्थ था देश को सही अर्थों में स्वतंत्र बनाना है। व्यक्ति के गरिमा के साथ जीने के अधिकार का सुनिश्चित करना है। ऐसा देश निर्माण करना जहां कर्मकारों को निर्वाह मजदूरी (स्पअपदह ँहम) मिले। देश विकसित राष्ट्र हो। दुर्भाग्य का विषय था कि देश ने गत 75 सालों में भी देश को विकसित राष्ट्र बनाने में कोई सारभूत कदम नहीं उठाये। यह कृत्य नीति के निदेशक तत्वों के विरूद्ध है, जिसका उल्लेख संविधान के भाग 4 में दिया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने भारत के स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्ष गांठ के अवसर पर देश को दिये गये सम्बोधन में 15.08.2024 को अपना दृढ़ संकल्प घोषित किया कि भारत सन् 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनेगा। अपने संकल्प को साकारता देने के हेतु पीएम मोदी ने विकसित भारत / 2047 युवाओं की आवाज कार्यशाला का शुभारम्भ किया। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं का मार्ग दर्शन करने वालों को एक साथ होकर इस योजना में योगदान देने की अपील की। उन्होंने राजभवनों, विश्वविद्यालय के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उनका विश्वास है कि एक राष्ट्र अपने लोगों के विकास से ही विकसित हो सकता है। उन्होंने कहा, 'युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक भी है और परिवर्तन की लाभार्थी भी है।' मोदी के संकल्प का आधार था कि 'भारत के लिये यह समय अमृतकाल है' यही समय है, सही समय है'। भारत को अपनी विकास यात्रा को तेजी से पूरा करना होगा। मोदी ने कहा विकसित भारत / 2047 का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। भारत को अपने विकास के हेतु आर्थिक विकास, सामाजिक सुधार, पर्यावरण की स्थिरता, सुशासन और चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देना है। प्रश्न है भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये क्या-क्या करना, क्या-क्या परिवर्तन लाना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है वह भी अगस्त 2047 तक। भारत को विकसित राष्ट्र बनने के ख्याब को यथार्थ में पूरा करना है। अभी हम यूरोपीय देशों व अमेरिका को विकसित देश मामने है। यूरोपीय देशों में कुछ देश ऐसे भी हैं, जो हम जैसे हो सकते हैं। हम विचार करें अमेरिका से हम कहां कमजोर हैं। कौन सी ऐसी वस्तु अमेरिका के पास है जो हमारे पास नहीं है। कुछ समय पूर्व जिस दिन ट्रम्प ने अमेरिका के प्रेसीडेन्ट की शपथ ली तो एक न्यूज पेपर में यह समाचार छपा था कि पिछली बार जब ट्रम्प प्रेसीडेन्ट बने थे, उन्होंने तीस हजार से अधिक बार झूठ बोली, अपने वायदे पूरे नहीं किये। लगभग सभी राजनेता ऐसे हैं जो वायदे पूरे नहीं करते अत: इसे हम अधिक महत्व न देंवे अन्य क्षेत्रों की ओर ध्यान दें जहां हम अमेरिका से पीछे हैं। हमारी जीवन शैली का महत्वपूर्ण हिस्सा पारिवारिक मूल्य, हमारी परम्परायें हैं, हमारे रीति रिवाज, सामाजिक सहयोग, सामुदायिक और बन्धुत्व की भावना, फॉरिन पॉलिसी, तकनीकी ज्ञान, सुशासन और रामराज्य का सपना हमारी विशेषतायें हैं।

भारत सांस्कृतिक विविधताओं का देश है। भारत के लोग अलग-2 धर्मो के अनुयायी हैं।

भारत प्रयत्नशील है कि देश 2047 तक विकासशील देश बने और उसके सपने जो मोदीजी ने दिखाये हैं वे साकार हों। केन्द्रीय व वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने 22 सितम्बर 2024 को अपने भाषण में कहा था कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के हेतु देश सही मार्ग पर बढ़ रहा है और संस्थागत क्षमता निर्माण इसमें उचित, महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय सरकार का रोड मैप है। 2047 में भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे। अमेरिका डिफेन्स (रक्षा) के मामले में सभी देशों की अपेक्षा सबल है। जो विकसित देश की पहिचान है। इस संबंध में वित्त मंत्री ने कहा कि केन्द्र ने रक्षा क्षमताओं में आत्म निर्भरता बढ़ाने के लिये कोई कसर नहीं छोडी है। मंत्री महोदया ने कहा 'हमें अपने समग्र बंनियादी ढ़ांचे बाजार में कम्पनियों की स्थिति पर भी ध्यान देना होगा और भारतीय अर्थ व्यवस्था के डिजिटलीकरण को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य तक पहुंचेंगे और हम सही रास्ते पर हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपनों को साकार करने के हेतु भारत बुलन्द इरादों से आगे तेज गति से बढ़ रहा है। हमें चुनावों को निष्पक्ष बनाना होगा और फ्रीबीज के वायदों से बचना होगा। एक विकसित राष्ट्र बनने के लिये यह आवश्यक है कि उसका रक्षा तंत्र मजबूत हो, आर्थिक विकास का मंत्र उसके पास हो, सामाजिक और आर्थिक न्याय करने में वह सक्षम हो। पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन की कला सहित विकास के सभी पहलुओं पर वह गतिशील हों। आर्थिक दृष्टि से हम देखें तो भारत एक विकासशील अर्थ व्यवस्था है, जो संसार की सबसे अधिक विकास दर (8.2 प्रतिशत) के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत वर्तमान में 3 ट्रिलियन डालर की जीडीपी के साथ विश्व की 5वीं बड़ी इकॉनोमी बन चुका है और शीघ्र ही हमारा देश अमेरिका व चीन के बाद 5 ट्रिलियन डालर की जीडीपी के साथ तीसरी बड़ी इकॉनोमी होगा। भारत की विदेशी मुद्रा भंडार, स्टार्ट अप्स, डिजीटल भुगतान, एफडीआई, रोजगार, विनिर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र व कृषि उत्पादन सभी संतोषजनक हैं। देश की अर्थ व्यवस्था में कृषि को प्रमुख स्थान है। 61 प्रतिशत लोग इस पर निर्भर हैं। देश उद्योग व सेवा क्षेत्र में गतिशीलता के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत के आईटी और बीपीओ उद्योगों ने विश्व स्तर पर अपनी पहिचान बनाई है। भारत की विज्ञान और प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में अपनी शक्ति का अच्छा प्रदर्शन किया है। उसका चन्द्रयान मिशन व अन्तरिक्ष अन्वेषण उसे विश्व के विकसित देशों की श्रेणी में बराबर की श्रेणी में रखता है। मोदीजी ने भारत को एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया है। कोरोना के समय भारत की वेक्सीन ने देश को बहुत ऊँचाई तक पहुँचाया है। भारत एक मात्र राष्ट्र है जिसने जलवायु परिवर्तन के सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया है। भारत जी-20 का एक मात्र देश है जिसने अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय से भी पहले पूरा किया है। वह 6जी तकनीक पर तीव्रगति से आगे जा रहा है। 6जी से संबंधित पेटेन्ट दाखिल करने में भारत शीर्ष 6 देशों में है। वह आगामी तीन वर्षों में सभी 6जी पेटेन्ट में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी प्राप्त करने में सफल हो सकता है। 2014 में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 75 गीगावाट थी, अब वह 201, 457.91 मेगावाट है। ट्रम्प ने राष्ट्रपति की शपथ पर कई घोषणायें की हैं। उनकी घोषणा के अनुसार स्टार गेट नाम एक नई कम्पनी के माध्यम से एआई बुनियादी ढांचे पर 50,000 करोड़ डालर खर्च होंगे। भविष्य में एआई का प्रयोग हर क्षेत्र में बढ़ेगा। यह गरीब देशों के लिये खतरा है। इसके अतिरिक्त ट्रम्प के वायदों ने राजनीति में भूचाल आ चुका है। इजरायईल के युद्ध ने और यूक्रेन रूस के युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर कई चुनौतियों उत्पन्न की हैं। महायुद्ध होने का भय संसार के सभी देशों को डरा रहा है। ट्रम्प द्वारा की गई डब्ल्यूएसओ छोड़ने की घोषणा ने तथा पेरिस एग्रीमेण्ट से अलग होने के निर्णय ने संसार का पर्यावरण ही दूषित हो चुका है। भारत को यूरोपियन यूनियन, चीन व रूस की ओर देखना होगा और अधिक सहयोग व मदद के हेतु। भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में अपनी भूमिका को शक्ति व ऊर्जा देनी होगी। भारत में संसार के देशों को नेतृत्व देने की क्षमता है। कृत्रिम बुद्धिमता के विकास ने नई चुनौतियों को उत्पन्न कर दिया है। भारत को सावधान रहना होगा। भविष्य में सब कुछ बदलने वाला है। अब सेना युद्ध नहीं लडेगी उसके स्थान पर रोबोट लडेंगे। अस्पतालों में डाक्टर सर्जरी नहीं करेंगे, अब यह काम भी रोबोट करेंगे। भारत ने यों तो डिजीटल तकनीक के बुनियादी ढांचे में बहुत प्रगति की है। भारत को ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़ाने होंगे जो अर्थ व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं भारत को इन्हें खतरे के स्थान पर अवसर के रूप में लेना होगा। भारत को भ्रष्ट नेताओं, कालेधन वालों से लड़ना है। समय आ गया है जब भूख के लिये रोटी की चोरी करने वालों को सजा नहीं होगी। जेल रिश्वत खोर अधिकारियों व फर्जी नेताओं से भरे जायेंगे। भारत का संविधान एक सर्वाधिक व्यापक दस्तावेज है। यह एक अनूठा ग्रन्थ है। इसे किसी भी सांचे में ढ़ाला जा सकता है। यह अनम्य तथा नम्य, परिसंघीय तथा एकात्मक और अध्यक्षीय तथा संसदीय रूपों का अच्छा मिश्रण है। राज्य नीति के निदेशक तत्व हमारे संविधान की एक अदभुत विशेषता है। लोगों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक अधिकार इनमें सम्मिलित किये गये हैं। सुशासन चलाने के लिये इनमें मार्ग दर्शन दिये गये हैं। यह वर्तमान पीढ़ी ही नहीं अपितु आने वाली पीढ़ियों के लिये भी वरदान है। इसमें सब परिस्थितियों के लिये संशोधन किये जाने का मंत्र दिया गया है इसमें जादुई चिराग छिपा है। भारत अपने संविधान के अनुसार 2047 तक विकासशील देश अवश्य बनेगा। भारत अपने लक्ष्य को पूरा करेगा। आगामी बजट किसानों के घावों पर मरहम लगाने व स्वास्थ्य को समर्पित होगा। भारत विश्व को नेतृत्व देगा। हम होंगे कामयाब।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण 2025: प्रमुख चुनौतियां और अवसर

राजेश भूकर

2024 में, विश्वभर में 73 राष्ट्रीय चुनाव हुए, इनमें से कई चुनावों के परिणामस्वरूप मौजूदा राजनीतिक गठजोड़ में बदलाव आया। दुनिया 2025 में अमेरिका और वैश्विक पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण कुछ अन्य देशों में नए राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव के साथ प्रवेश कर रही है। वर्ष की प्रमुख चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि अनिश्चितता के इस दौर में वैश्विक संगठन फलते-फूलते रहें। मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे युद्ध, बाल्कन में गहराते मतभेद, दक्षिण चीन सागर में विवाद और साहेल क्षेत्र में बढ़ती अराजकता कुछ ऐसे संकट हैं जो सरकारों और बहुराष्ट्रीय संगठनों के लिए चुनौती बनेंगे। यह बहुसंकट का युग है, एक नया युग जहां कई, परस्पर जुड़ी चुनौतियां एक-दूसरे के प्रभाव को बढ़ाती हैं। ये संकट अकेले नहीं होते, बल्कि भू-रणनीतिक दोष रेखाओं के पार एक-दूसरे को बढ़ाते हैं, स्थानीय मुद्दों को क्षेत्रीय या वैश्विक खतरों में बदल देते हैं। लोकलुभावन और सत्तावादी नेता वैश्विक स्तर पर अपनी पकड़ बना रहे हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं को ख़तरा बन रहे हैं और व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से व्यापार से लेकर क्षेत्रीय संघर्षों तक, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर सबसे व्यापक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुनिया के सबसे लगातार संघर्षों को हल करने के लिए बातचीत 2025 में भी जारी रहेगी। मध्य पूर्व और यूक्रेन में युद्ध गंभीर भू-राजनीतिक और मानवीय परिणाम लेकर आए हैं और वैश्विक शांति और सुरक्षा एजेंडे के लिए केंद्रीय बने रहेंगे। यूक्रेन युद्ध एक वैश्विक संघर्ष बन गया है, जिसमें पश्चिमी लोकतांत्रिक राष्ट्र मौजूदा विश्व व्यवस्था को चुनौती देने वाले देशों के एक समूह के खिलाफ़ खड़े हैं। वैश्विक ऊर्जा और अनाज बाजार लगातार खतरे में है। ये न केवल भयानक मानवीय त्रासदी हैं, बल्कि ये पूरी दुनिया को बुनियादी तौर पर विभाजित भी करती हैं। उम्मीद है कि 2025 में ये संघर्ष समाधान और पुनर्निर्माण के एक नए चरण में प्रवेश करेंगे। दिसंबर 2024 में सीरिया में असद शासन के पतन और हयात तहरीर अल शाम के नेतृत्व वाले इस्लामी समूहों द्वारा सत्ता संभालने के बाद, तत्काल चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मदद से सीरिया के लोगों की वैध आकांक्षाओं को पूरा करने वाला समावेशी और व्यापक राजनीतिक परिवर्तन सुनिश्चित करना है। ट्रम्प प्रशासन का दृष्टिकोण किसी भी समाधान के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

इस बीच, हैती, म्यांमार और यमन में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और अस्थिरता से 2024 में हजारों लोग मारे गए और घायल हुए जिसका कोई अंत नहीं दिख रहा है। शांति प्रयास के लिए बहुत कम वास्तविक संसाधन या अंतर्राष्ट्रीय समर्थन है। सर्बिया अभी भी कोसोवो पर दावा करता है और सर्बियाई और कोसोवो दोनों राजनेता घरेलू स्तर पर जनता का समर्थन हासिल करने के लिए राष्ट्रवादी मुद्दे का सहारा लेते हैं। बाल्कन अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के स्थानीयकरण और स्थानीय संघर्षों के अंतर्राष्ट्रीयकरण से बढ़ते जोखिम का उदाहरण है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और चीन अभी भी इस क्षेत्र में अस्थिरता फैलाना और स्थिति को ज्वलनशील बनाने में लगे हुए हैं।

साहेल और सहारा के दक्षिण में भूगर्भीय क्षेत्र पर कमज़ोर का शासन है जो तख्तापलट के लिए प्रवण हैं, और राज्य की वैधता की कमी जातीय-धार्मिक और आर्थिक शिकायतों को बढ़ाती है। इसका असर साहेल क्षेत्र में अराजकता, तटीय पश्चिम अफ्रीका और मध्य अफ्रीकी के पड़ोसी क्षेत्रों में अस्थिरता का रूप ले सकता है। दक्षिण चीन सागर, दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों में से एक है जिसमें प्रचुर ऊर्जा और समुद्री जीवन संसाधन हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की भू-राजनीति में एक फ्लैशपॉइंट बन गया है। इसके टापुओं और जल पर दावे और प्रतिदावे दशकों से अनसुलझे रहे हैं और अब अस्वीकार्य चीनी दावों के कारण इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का स्त्रोत बन गए हैं। (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत) का फिर से उभरना और चीनी आधिपत्य का मुकाबला करने की इसकी इच्छा और क्षमता इस क्षेत्र को परस्पर विरोधी वाणिज्यिक, कूटनीतिक और सैन्य गतिविधियों का केंद्र बना देगी । दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में संघर्ष के बढ़ने का संभावित जोखिम बढ़ रहा है।

विकास के लिए वित्तपोषण और एक सतत भविष्य में निवेश 2024 में अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण में आमूलचूल परिवर्तन की मांग और भी तेज हो गई, क्योंकि विश्व नेताओं ने सितंबर, 2024 में संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में भविष्य के लिए समझौते को अपनाया था। जुलाई, 2025 में सेविले, स्पेन में विकास के लिए वित्तपोषण पर होने वाले आगामी चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान वैश्विक सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की असली परीक्षा होगी। मौजूदा वित्तीय प्रणालियों को अधिक समावेशी, न्यायसंगत और प्रभावी बनाना तथा दुनिया के सबसे कम विकसित देशों के लिए एक परिवर्तनकारी मार्ग प्रदान करना एक बड़ी चुनौती होगी। जलवायु कार्रवाई सभी की निगाहें 2025 में ब्राजील के बेलेम में होने वाले 30 पर हैं और उम्मीद है कि उससे पहले देश ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों के एक नए दौर की घोषणा कर चुके होंगे, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के रूप में जाना जाता है। 2025 में को पेरिस समझौते के 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य के करीब लाने के प्रयास शुरू हो गए हैं। साल 2025 में नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे मौजूदा प्रक्षेपवक्र को बदलें और दुनिया को सही दिशा में ले जाएं। लैंगिक समानता लैंगिक समानता की संभावना धूमिल बनी हुई है क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आंदोलन की स्वतंत्रता के अधिकार सहित कड़ी मेहनत से हासिल किए गए लाभों को दुनिया भर में चुनौती दी जा रही है। तालिबान द्वारा 2024 तक अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध और सीरिया के नए शासक के तालिबान के रास्ते पर जाने का डर स्थिति को गंभीर बनाता है। 2025 वैश्विक लैंगिक समानता आंदोलन के लिए एक स्मारक वर्ष है, जो 1995 में बीजिंग में आयोजित महिलाओं पर चौथे विश्व सम्मेलन की 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करता है। संयुक्त राष्ट्रसंघ का पुनर्गठन और सुधार 1945 के बाद से दुनिया में काफी बदलाव आया है, और संयुक्त राष्ट्र जो अपने 80वें वर्ष को चिह्नित करता है, को अपने कामकाज और संरचना का पुनर्गठन और सुधार करके उद्देश्य के लिए उपयुक्त बने रहने के लिए अनुकूल होना चाहिए। सितंबर, 2024 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बहुपक्षवाद को वापस लाने के लिए भविष्य के लिए समझौता अपनाया क्योंकि यह कठिन वर्तमान भू-राजनीतिक संदर्भ में भी बहुपक्षवाद के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक अवसर है। प्रासंगिक और प्रभावी बने रहने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा जिन प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करने की आवश्यकता है, वे हैं: अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा, वैश्विक शासन को बदलना, सतत विकास और विकास के लिए वित्तपोषण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटल सहयोग, और युवा और भावी पीढ़ियाँ का उत्थान। 2025 वैश्विक सहयोग के लिए अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करेगा। चलो इसे हम आशा का वर्ष बनायें जो मानवीय पीड़ा को कम करे, विभाजन को ठीक करे और एक बेहतर और शांतिपूर्ण दुनिया का गवाह बने।

राजेश भूकर, सेवानिवत्त कर्नल।

नई पीढ़ी को देश की मूल संस्कृति व गौरवमयी इतिहास को समझना जरूरी : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान, परंपरा, अंतर्दृष्टि और नवाचार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

भीलवाड़ा/शाहपुरा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि वर्तमान नई पीढ़ी को देश की मूल संस्कृति व गौरवमयी इतिहास को समझना जरूरी है। प्राचीन समय से ही भारत देश विशाल व संपन्न रहा है। भारतीय परंपरा व भारतीय ज्ञान की समझ वर्तमान पीढ़ी में बेहद जरूरी है। राज्यपाल बागड़े भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा, अंतर्दृष्टि और नवाचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

राज्यपाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश वीरों व शौर्य की भूमि है, यहां पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप जैसे शासक हुए, जिनकी वीर गाथाओं का भारतीय इतिहास में वर्णन है। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्राचीन समय में नालंदा विश्वविद्यालय जिसमें विश्वभर से विद्यार्थी अध्ययन करने के लिए आते थे, केंद्र सरकार फिर से नालंदा विश्वविद्यालय को उसी रूप में पुन: खड़ा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास बनाना पड़ता है। देश के इतिहास व संस्कृति को बचाने में कई बुद्धिजीवी व महान लोगों ने योगदान दिया व ज्ञान, परंपरा का प्रचार प्रसार भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि देश के पास प्राचीन समय में ही अद्भुत कला व शक्तियां रही है, यही देश की ज्ञान व परंपरा का उदाहरण है। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के प्रति शिक्षकों व विद्यार्थियों को रुचि लेने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि भारत देश को पुन: विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दृढ़ संकल्पित है। इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय संगठन की स्मारिका का विमोचन किया। इस दौरान अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण लाल गुप्ता व संगठन मंत्री महेंद्र कपूर ने वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान, परंपरा के बारे में विचार व्यक्त किये। स्वागत उद्बोधन प्रताप सिंह बारहट महाविद्यालय के प्राचार्य पुष्करराज मीणा ने दिया एवं आभार राष्ट्रीय कांफ्रेंस के संयोजक हंसराज सोनी ने व्यक्त किया। इससे पूर्व राज्यपाल बागड़े ने कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया। हैलीपेड पहुंचने पर संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, जिला कलेक्टर नमित मेहता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल बागड़े का स्वागत अभिनंदन किया ।

■ कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय संगठन की स्मारिका का विमोचन किया

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में संभागीय आयुक्त महेशचंद्र शर्मा, कलेक्टर नमित मेहता, जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, कार्यवाहक अतिरिक्त कलेक्टर राजकेश मीणा, उपखंड अधिकारी भरत मीणा, सीएमएचओ सीपी गोस्वामी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक व शोधार्थी व छात्र मौजूद रहे।

सैन्य सम्मान के साथ सीआरपीएफ के जवान का अंतिम संस्कार

सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

राजगढ़, (निसं)। बांदीकुई मार्ग पर बुधवार को गोठ की चौकी के पास सड़क दुर्घटना में मृत सीआरपीएफ जवान नेतराम मीणा का गुरुवार को सैन्य सम्मान के साथ ग्राम दुब्बी मे अंतिम संस्कार किया गया।

इस दौरान सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने पुष्प चक्र अर्पित कर जवान की पार्थिव देह को श्रद्धांजलि दी। सीआरपीएफ की टुकड़ी ने दिवंगत जवान को सैन्य सम्मान प्रदान किया। इससे पूर्व राजगढ़ चिकित्सालय से गाड़ी में यात्रा उनके पैतृक गांव तक अंतिम यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर प्रमुख लोगों ने पुष्प वर्षा कर जवान को विदाई दी। चिकित्सालय परिसर से सीआरपीएफ की टुकड़ी ने ताबूत को कंधा देकर गाड़ी में रखा। इससे पूर्व सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट श्रवण लाल मीणा एवं थाना प्रभारी राजेश मीणा चिकित्सालय पहुंचे। चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के बाद सीआरपीएफ के जवान नेतराम मीणा के शव को सेना के जवानों की टुकड़ी ने कंधा देकर सम्मान दिया। इसके बाद शुभचिंतकों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में शव यात्रा पैतृक ग्राम दुब्बी के लिए रवाना हुई।

■ कार की टक्कर से बाइक सवार सीआरपीएफ के जवान नेतराम मीणा की मौत हो गई थी

बुधवार को बांदीकुई मार्ग पर कार की टक्कर से बाइक सवार सीआरपीएफ के जवान नेतराम मीणा की मौत हो गई थी। सीआरपीएफ जवान बटालियन नंबर 222 में तैनात था, जो छुट्टियों में 6 फरवरी तक गांव आया था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 जनवरी को दोपहर करीब 3 बजे बाइक सवार नेतराम मीणा को बांदीकुई की ओर से आ रही कार चालक ने लापरवाही से टक्कर मार दी। इससे नेतराम मीणा की मौके पर मौत हो गई। नेतराम मीणा के परिवार में पत्नी, पुत्री मुस्कान 12 वर्ष एवं पुत्र अभय उर्फ सागर है। अंतिम संस्कार में भारी संख्या में ग्रामीणों सहित सीआरपीएफ पुलिस बल सहित लोग मौजूद रहे।

आरएएस प्री परीक्षा के प्रवेश पत्र अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024 का आयोजन 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक किया जायेगा। परीक्षा में ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। उक्त परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाईट एवं एसएसओ आईडी पर अपलोड कर दिये गये है। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारम्भ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जायेगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 31 जनवरी, 2025

माघ मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2081, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र रात्रि 2.33 तक, वारियान योग दिन 3.32 तक, शतभिषा नक्षत्र, रात्रि 4.14 तक, कौलव करण दिन 2.00 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ठाह स्थिति - सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

श्रेष्ठ चौघडिया - चट-सूर्योदय से 8.58 तक, लाभ-अमृत 8.38 से 11.14 तक, शुभ 12.04 से 2.01 तक, चट 4.43 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल - 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 7.17 सूर्यास्त 6.04

मेष
आर्थिक-वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करे। आज आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बडेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यो के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यो में भाग ले सकते हैं।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यो में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यो के लिए दिन ठीक रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यो में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। नौकरी पेशा व्यक्तियों का प्रभाव प्रभुत्व बडेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यो से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में अथितियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता हो सकती है और उचित सोच विचार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। अर्नगल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सार-समाचार

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने शपथ ली

कोटा, (निसं)। जेसीआई ऐलीगेंस की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गुरूवार को तलवंडी स्थित एक निजी परिसर में आयोजित किया गया। जेसीआई के जोनल उपाध्यक्ष मोहित जैन तथा पूर्व अध्यक्ष विभोर लोढ़ा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गुनजीत जौहर, सचिव मनदीप साहनी, कोषाध्यक्ष कल्पना विजय सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी को मानव सेवा में समर्पित रहने की शपथ ग्रहण करवाई। जेसीआई एलीगेंस द्वारा इस वर्ष किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए अध्यक्ष गुनजीत जौहर ने बताया कि क्लब इस वर्ष 'राइस अप' थीम पर कार्य करेगा। इस थीम के तहत समाज उत्थान के कई प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए जाएंगे जिनका एक मात्र उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और वंचित वर्ग का कल्याण होगा। मेंटर ज्योति सारा, डॉ. मेघना शेखावत तथा याशिका विजय ने बताया क्लब इस वर्ष एक नई ऊर्जा से कार्य करेगा। इसके तहत स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण दिलवाने के साथ ऐसे युवाओं को भी आर्थिक संबल दिलवाया जाएगा जो खुद के पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं। इस अवसर पर जेसीआई ऐलीगेंस परिवार के सदस्य तथा जेसीआई के अन्य चैप्टर्स के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। 'अप्रेल में करेंगे शॉपिंग कार्निवल'महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए जेसीआई एलीगेंस 18 व 19 अप्रेल को शॉपिंग कार्निवल का भी आयोजन करेगा। इस कार्निवाल में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं, महिला उद्यमियों और महिलाओं के नेतृत्व में काम कर रहे स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान इस आयोजन के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

प्लांट का शैक्षिणक भ्रमण किया

छबड़ा (निसं)। पीएमश्री उच्च प्राथमिक विधालय रुपारेल के बच्चों ने मोतीपुरा थर्मल प्लांट का भ्रमण किया। भ्रमण दल को भूलोन पीईईओ बुद्धिप्रकाश बैरवा और प्रधानाध्यापक प्रकाश गुर्जर ने हरी झंडी दिखा के रवाना किया।प्लांट के सहायक अभियंता मनीष नैन ने बच्चों को विधुत उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी गयीं,साथ ही भ्रमण के दौरान बालकों ने,थर्मल पॉवर प्लांट की कार्यप्रणाली जानी। भ्रमण में विधालय के 57 बच्चों ने भाग लिया। भ्रमण के दौरान प्रभारी नरेंद्र कुमार, व्यवस्थापक मनमोहन शर्मा और राजू बाई मीणा आदि उपस्थित रहे।

सूर्या घर योजना का शिविर आज

छबड़ा (निसं)। कस्बे के विधुत विभाग सहायक अभियंता कार्यालय में शुक्रवार को सूर्या घर योजना का शिविर आयोजित किया जाएगा। सहायक अभियंता मोहम्मद अंसार के अनुसार सहायक अभियंता कार्यालय छबड़ा में शुक्रवार को सूर्या घर योजना के तहत शिविर आयोजित किया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने कोचिंग विद्यार्थियों से संवाद किया

कोटा, (निसं)। कोटा में अध्ययनरत कोचिंग छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सफलता की राह को आसान बनाने के लिए जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी ने 'कामयाब कोटा' और 'कोटा केयर्स' पहल के तहत कोचिंग संस्थानों के छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान कोचिंग विद्यार्थियों ने अपनी शंकाएं, भय और असफलताओं के बारे मे खुलकर बात की, जिस पर कलेक्टर ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों और प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से समाधान सुझाए।

सफलता के लिए अनुशासन और सही रणनीति जरूरी:- छात्रों को प्रेरित करते हुए डॉ.गोस्वामी ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अपने खुद के अनुभव साझा करते हुए बताया कि पीएमटी के पहले प्रयास में असफल होने के बाद उन्होंने आत्ममंथन किया और यह समझा कि सिर्फ मेहनत ही नहीं, बल्कि सही रणनीति भी सफलता के लिए आवश्यक है। उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए 80:20 रूल अपनाने की सलाह दी, जिसमें पुराने प्रश्नपत्रों और सिलेबस का विश्लेषण कर महत्वपूर्ण टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

उन्होंने आइजेन हॉवर मैट्रिक्स को सरल शब्दों में समझाते हुए कहा कि परीक्षा में और जीवन में क्या करना है से अधिक महत्वपूर्ण है क्या नहीं करना है। जब यह स्पष्ट हो जाता है, तो सफलता निश्चित होती है। परीक्षा पैटर्न में बदलाव पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि किसी भी बदलाव का प्रभाव सभी छात्रों पर समान रूप से पड़ता है, इसलिए इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है।

मॉक टेस्ट से सीखें, असफलता से न घबराएं:- जिला कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा से कुछ महीने पहले से ही नियमित मॉक टेस्ट देने और विशिष्ट प्रश्नों को हल करने की आदत डालनी चाहिए। यदि मॉक टेस्ट या कक्षा में प्रदर्शन अच्छा नहीं आ रहा, तो घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यही गलतियां वास्तविक परीक्षा में सुधार में मदद करेंगी।

उन्होंने छात्रों से अपने माता-पिता के साथ संवाद बनाए रखने की अपील की और कहा कि हर छात्र को दिन में कम से कम एक बार अपने परिवार से अवश्य बात करनी चाहिए, क्योंकि माता-पिता ही उनके सबसे बड़े शुभचिंतक होते हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिंदगी खूबसूरत है, इसे तनाव में उलझाने की आवश्यकता नहीं है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

कोटा, (निसं)। शहीद दिवस के अवसर पर गांधी उद्यान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान महात्मा गांधी के प्रिय भजन 'रघुपति राघव राजा राम' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' की प्रस्तुति हुई, जिससे पूरा माहौल गांधीमय हो उठा। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ममता तिवारी, नगर निगम दक्षिण आयुक्त अनुराग भार्गव, अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग) कृष्णा शुक्ला, नगर निगम उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी, उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग मो. मुस्तफा शेख, मुख्य जिला शिक्षाधिकारी के.के.शर्मा, सहायक जनसंपर्क अधिकारी आकांक्षा शर्मा, एनयूएलएम की जिला प्रबंधक हेमलता गांधी सहित कई जिला स्तरीय अधिकारियों और गांधीवादी विचारकों ने दो मिनट का मौन रखा।

सार-समाचार

देवनारायण भगवान का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा

कोटा, (निसं)। श्री देवनारायण मंदिर केशवपुरा एवं श्री देवसेना के तत्वाधान में भगवान देवनारायण के अवतरण दिवस की भव्य शोभायात्रा का आयोजन 4 फरवरी 2025 मंगलवार को किया जा रहा है। श्री देवसेना प्रदेशअध्यक्ष मनोहर कुवाड़ा ने बताया कि ये शोभायात्रा केशवपुरा से होते हुए महावीर नगर चौराहा घटोत्कच्छ चौराहा से अग्निशमन रोड़ होते हुए वापस केशवपुरा देवनारायण मंदिर पहुंचेगी। इस शोभायात्रा में बाहर से आये हुए अखाड़े हैरतअंगेज प्रदर्शन करेंगे, भव्य झांकिया, राधाकृष्ण का मयूर नृत्य, शिवशंकर का अघोरी नृत्य, गुर्जर समाज का सुप्रसिद्ध गैर नृत्य तथा गुर्जर समाज के युवाओं द्वारा हत्था माला जैसे प्रदर्शन किए जाएंगे। शोभायात्रा में गुर्जर समाज की युवतियां पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जाएंगी। इस शोभायात्रा को लेकर आयोजन समिति के सदस्य हाड़ौती के ग्रामीण क्षेत्रो और कोटा शहर के लोगो को शोभायात्रा में आने के लिए पीले चावल और शोभायात्रा का पोस्टर देकर निमंत्रण दे रहे है। शोभायात्रा के अंत में भण्डारे का आयोजन किया जाएगा ये भण्डारा पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त होगा इसमे किसी भी प्रकार का प्लास्टिक के बर्तन, पानी के गिलास का उपयोग नहीं किया जाएगा। शोभायात्रा के समापन के बाद प्रतिभा सम्मान समारोह का किया जाएगा इसमें गुर्जर समाज के वे छात्र-छात्राएं जिन्होने बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत और 2024 की राजकीय सेवा में नियुक्ति प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों का सम्मान किया जाएगा।

छह जुआरी गिरफ्तार

छबड़ा (निसं)। बापचा पुलिस ने जुआ सट्टा विरोधी अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए ताश के पत्तो से जुआ खेल रहे 6 आरोपियो को गिरफ्तार कर 10 हज़ार रुपये से अधिक की जुआ राशि ज़ब्त की। थानाधिकारी बुद्धराम जाट ने बताया कि 29 जनवरी को रात्री में उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने जैपला में ताश के पत्तो पर रुपयो का दाव लगाकर जुआ खेलते हुए सुमेर सिह राजपुत निवासी जेपला, कोमल सिह पुत्र जगदीश सिह राजपुत निवासी जेपला, बहादुर सिह लोधा निवासी कोटरापार, पालु उर्फ ज्ञान सिंह राजपूत निवासी जैपला, विकास राजपुत निवासी जेपला व पवन तंबोली निवासी जैपला को डिटेन कर 10 हज़ार 530 रुपये की जुआ राशि व ताश के पत्ते जप्त कर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस टीम थानाधिकारी एएसआई साहब सिंह, हैड कांस्टेबल कंपोटर सिंह, कांस्टेबल सुरजीत, कांस्टेबल अंकित, कांस्टेबल मनीष, कांस्टेबल कैलाश व कांस्टेबल बसराम आदि शामिल रहे।

हॉस्टल एवं पीजी का डाटा बैंक तैयार, अभी तक 2400 हॉस्टल एवं पीजी संचालकों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया

कोटा, (निसं)। कोटा में सभी हॉस्टल एवं पीजी के रजिस्ट्रेशन के लिए जिला प्रशासन द्वारा ऑनलाइन लिंक जारी किया गया है। अभी तक लगभग 2400 हॉस्टल एवं पीजी संचालकों ने अपना ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे जिला प्रशासन के पास सभी हॉस्टलों एवं पीजी का एक विस्तृत डाटा बैंक उपलब्ध होगा, जिससे पुलिस और जिला प्रशासन को हॉस्टल एवं पीजी संचालकों से संवाद कायम करने में आसानी होगी। ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 है। जिला प्रशासन ने सभी हॉस्टल एवं पीजी संचालकों से आग्रह किया है कि अंतिम तिथि से पहले ऑनलाईन लिंक पर जाकर पंजीयन करा लें। उल्लेखनीय है कि कोटा में पीजी एवं हॉस्टल की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में उनका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने से सटीक जानकारी मिल सकेगी। हॉस्टल एवं पीजी का डाटा बैंक पर उपलब्ध जानकारी के माध्यम से सभी संचालकों को गेट कीपर ट्रेनिंग एवं अन्य दिशा-निर्देशों की पालना की जानकारी आसानी से दी जा सकेगी।

पिछले दिनों महावीर नगर, कुन्हाडी, विज्ञान नगर एवं जवाहर नगर पुलिस थानों में पीजी एवं हॉस्टल संचालकों के साथ जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें उन्हें बताया गया था कि हॉस्टल एवं पीजी का रजिस्ट्रेशन क्यों अनिवार्य है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पीजी एवं हॉस्टल संचालक गेट कीपर ट्रेनिंग करें तथा राज्य सरकार के सभी दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। कोचिंग विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने गेट कीपर ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत सभी हॉस्टल संचालकों की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिसमें छात्रों के व्यवहार में संभावित बदलाव, तनाव के कारण होने वाले मानसिक प्रभाव और प्रारंभिक स्तर पर तनाव को पहचानने के तरीकों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि कोई छात्र मानसिक तनाव में आता है या उसके व्यवहार में कोई असामान्यता दिखती है, तो प्रशासन, पुलिस और परिवारजन समय रहते सकारात्मक हस्तक्षेप कर सकें और किसी भी दुष्परिणाम को रोका जा सकें।

गेट कीपर ट्रेनिंग के तहत प्रशासन प्रत्येक हॉस्टल संचालक को प्रशिक्षित कर रहा है, जिससे कोटा आने वाले छात्रों को सुरक्षित, तनाव-मुक्त और सहयोगी वातावरण मिल सके। इस पहल के माध्यम से छात्रों को अपनी परेशानियां खुलकर साझा करने का एक मंच भी मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा 27 जनवरी से आयोजित की जा रही गेट कीपर ट्रेनिंग के तहत अभी तक 2000 लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17.02.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
भरतपुर, भरतपुर, 138080730014123, भरतपुर राजस्थान, 135690730039842, भरतपुर, 138000700001949, कोटा, गुमान पुरा, 112700700033944, 4045, 4047, 4054, 112700730060016, 0206, 0207, 0215, केशवपुरा कोटा, 114320730044163, कोटा जंक्शन, 112630700028243, 8263, 8341, 8367, 8373, 8379, 112630730040470, 0489, 0573, 0619, नयापुरा कोटा, 112380700026801, 6805, 6822, 6842, 6848, 112380730036515, 6520, सवाई माधोपुर, सवाई माधोपुर, 135230730047002,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-1815 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-9.1.25

कार्यालय नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड/आवास संख्या 61 योजना वीरसावरकर नगर में आवंटन/हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 13.08.1994 को श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री राम सिंह नाम से आवंटन किया गया था। आवंटी श्री विरेन्द्र सिंह की मृत्यु दिनांक 04.03.2008 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत आवंटी के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसान शपथ पत्र, शपथ पत्र, आई.डी. पत्र, वसीयत इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास में निहित अपने हिस्से का नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: प्राप्त विधिक राय अनुसार जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 61 योजना वीरसावरकर नगर का नाम हस्तांतरण श्रीमती आशा कंवर पत्नी श्री देवेन्द्र सिंह के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11 विक्रय/2025/707 दिनांक:-28.1.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा आवास संख्या 406 श्रीरामकृष्णपुरम-ई आवासीय योजना में आवंटन पत्र क्रमांक 330 दिनांक 14.12.2001 को श्री पूरण चन्द महावर पुत्र श्री गणेश लाल महावर के नाम आवंटन किया गया था। श्री पूरण चन्द महावर पुत्र श्री गणेश लाल महावर द्वारा उक्त आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री शोभराज लालवानी पुत्र श्री गजानंद लालवानी द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.03.2018 को श्री प्रेम राज कुशवाह पुत्र श्री रामरतन कुशवाह को विक्रय कर दिया गया है। अत: श्री प्रेम राज कुशवाह पुत्र श्री रामरतन कुशवाह द्वारा उक्त आवास का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 406 श्रीरामकृष्णपुरम-ई आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री प्रेम राज कुशवाह पुत्र श्री रामरतन कुशवाह के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4732 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 24.1.25

आवास संख्या 1-द-9 केशवपुरा कोटा का आवटन मंडल द्वारा श्री शफी मोहम्मद पुत्र श्री शमशुद्दीन को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती सीता पत्नी श्री सेवूमल के नाम दिनांक 28.09.1999 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती सीता पत्नी श्री सेवूमल के नाम दिनांक 29.09.1999 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती सीता पत्नी श्री सेवूमल की मृत्यु दिनांक 10.10.2021 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्री निर्मल गेलानी पुत्र स्व. श्री सेवूमल (सव्मल) द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्सों का त्याग जरिये रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 20.06.2024 को श्रीमती कंचन हासवानी पत्नी श्री गिरधारी लाल पुत्री स्व. श्री सेवूमल (सव्मल) के पक्ष में किया गया। श्रीमती कंचन हासवानी पत्नी श्री गिरधारी लाल पुत्री स्व. श्री सेवूमल (सव्मल) द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-द-9 केशवपुरा कोटा का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर श्रीमती कंचन हासवानी पत्नी श्री गिरधारी लाल पुत्री स्व. श्री सेवूमल (सव्मल) के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती कंचन हासवानी पत्नी श्री गिरधारी लाल पुत्री स्व. श्री सेवूमल (सव्मल) के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती कंचन हासवानी पत्नी श्री गिरधारी लाल पुत्री स्व. श्री सेवूमल (सव्मल) के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय नगर पालिका रावतभाटा, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपारा/भूमि/2024-25/5310 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक:-30.1.25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती जमीला बानू पत्नी श्री जैनुल आबेदीन निवासी रावतभाटा ने आवेदन प्रस्तुत कर नया बाजार आवासीय योजना अन्तर्गत आवंटित आवासीय भूखंड संख्या 130 साईज 40x50 क्षेत्रफल 2000 वर्गफीट जो नया बाजार भूमि आवंटन समिति की ओर से अधिशाषी अभियन्ता राणा प्रताप सागर एवं भण्डार खण्ड रावतभाटा द्वारा श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी श्री रामशंकर शर्मा निवासी रावतभाटा को इकरारनामे के तहत लीज होल्ड के आधार पर इकरार दिनांक 24.07.1984 के अंतर्गत लाईसेन्स (पट्टा) क्रमांक 2546 दिनांक 24.07.1984 से इकरारनामों में उल्लेखित शर्तों के अधीन आवंटित की गई थी। इसके उपरांत आवंटी द्वारा उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.03.1993 को श्रीमती सुषमा देवी पत्नी श्री श्याम नारायण सक्सेना निवासी कोटा एवं श्रीमती रानी देवी पत्नी श्री सूर्यनारायण सक्सेना निवासी रावतभाटा को संयुक्त रुप से विक्रय किया गया। श्रीमती सुषमा देवी की मृत्यु दिनांक 28.08.2008 एवं श्रीमती रानी देवी सक्सेना की मृत्यु दिनांक 05.12.2012 को हो जाने के उपरांत उनके वैध वारिसान (श्रीमती कमलेश सक्सेना पत्नी श्री नरेश लोठिया निवासी रावतभाटा एवं श्री श्याम नारायण सक्सेना पिता श्री रामनारायण सक्सेना निवासी कोटा) के द्वारा उक्त रिक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 02.07.2024 से आवेदक श्रीमती जमीला बानू पत्नी श्री जैनुल आबेदीन निवासी रावतभाटा को विक्रय किया गया, जिसके प्राप्त स्वामित्व के अधिकारों के तहत आवेदक के नाम से इस कार्यालय में उक्त आवासीय भूखंड का नामान्तरण/हस्तान्तरण दर्ज किए जाने हेतु स्व: प्रमाणित दस्तावेजों की प्रतियों प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है।

अत: प्रस्तुत दस्तावेजों व राज्यादेशों एवं नियमों के तहत इस निर्मित आवासीय भूखंड का नामान्तरण/हस्तान्तरण उपरोक्तानुसार दर्ज किए जाने में किसी हितधारी व्यक्ति/विभाग/संस्था/बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस प्रकाशन से 07 (सात) दिवस के अन्दर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में मय साक्ष्य सबूत के अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। आपत्ति अवधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रावतभाटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/16433 दिनांक: 30.1.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजीव गुप्ता पुत्र स्व. श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता निवासी आवास संख्या 215-216 सन सिटी महालक्ष्मी नगर इन्दौर मध्यप्रदेश ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 12 दशहरा योजना कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 12 दशहरा योजना कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय मण्डी कमेटी, चम्बल परियोजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक लेखा/मण्डी/3227 दिनांक 06.10.1969 से श्री रामचरण विजय पुत्र श्री धूली लाल विजय को किया गया। श्री रामचरण विजय ने जर्ये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 19.01.1980 से उक्त भूखंड श्री चन्दन मल पुत्र श्री फूलचन्द को विक्रय कर दिया। श्री चन्दन मल ने जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 30.06.1981 से उक्त भूखंड श्री शंकर लाल पुत्र श्री रामगोपाल एवं श्रीमती दाखा बाई पत्नी श्री बंशी लाल को विक्रय कर दिया। श्री शंकर लाल एवं श्रीमती दाखा बाई ने उक्त भूखंड कुल क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट में से 810 वर्गफुट भाग जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.04.1984 से तथा शेष 990 वर्गफुट भाग जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 09.04.1980 से श्री मुरलीशाम नाबालिग एवं श्री तीरथ दास नाबालिग पुत्र श्री हीरा लाल कुदरती वली माता स्वयं श्रीमती रामस्वरुपी बाई पत्नी श्री हीरालाल को विक्रय कर दिया। श्रीमती रामस्वरुपी कुदरती संरक्षक नाबालिग पुत्र श्री मुरलीशाम एवं श्री तीरथदास ने उक्त संपूर्ण भूखंड क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 26.11.1990 से श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता पुत्र स्व. श्री भगवान सहाय गुप्ता को विक्रय कर दिया। श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता का देहावसान दिनांक 12.08.2017 को हो जाने के उपरांत श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता के विधिक वारिसान सीमा शाह पुत्री स्व. श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता एवं अनिता पुत्री स्व. श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता ने उक्त भूखंड में से स्वयं का हक जर्ये रजिस्टर्ड रिलीज डीड दिनांक 02.01.2025 से श्री राजीव गुप्ता पुत्र स्व. श्री गिर्राज प्रसाद गुप्ता के पक्ष में त्याग दिया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

वांछित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 29 किलो नकली चांदी की सिल्ली देकर धोखाधड़ी कर सोने की ठगी करने का मुख्य आरोपी मोहित वर्मा को गिरफ्तार किया है।

जागरुकता पखवाड़े का आगाज

बूंदी (निसं)। राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलने वाला जागरूकता पखवाड़ा गुरुवार से शुरू हुआ। गुरुवार को स्वास्थ्य भवन मे जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ इस अवसर सीएमएचओ डॉ सामर ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण कर पखवाडे का आगाज किया उन्होंने इस अवसर पर कुष्ट रोगियों को दवाइयां एवं उपहार प्रदान कर संदेश देते हुए कहा कि विकसित भारत अभियान के अवसर पर हम सब मिलकर बूँदी जिले को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग का निदान करना आसान है और इसका इलाज भी संभव है। हम जिले में कुष्ठ रोग के सभी मामलों को यथाशीघ्र खोजने का प्रयास करेंगे।

नाम परिवर्तन

पासपोर्ट नं. M1186914 में मेरा नाम NAVEEN TIWARI है। जबकी बाकी सभी दस्तावेजों में मेरा नाम NAVEEN KUMAR TIWARI है जो सही है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। नवीन कुमार तिवारी पुत्र कमलेश कुमार तिवारी, रंगतालाब न्यू बस्ती नहर के पास कोटा जक्शन, कोटा राजस्थान

रोजगार सहायता शिविर संपन्न

बून्दी (निसं)। गुरूवार को होटल शगुन, पावर हाउस के सामने, नैनवां रोड मेंआयेजित एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का शुभारंभ नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल के द्वारा किया गया। जिला रोजगार अधिकारी भैरूप्रकाश नागर ने बताया कि इस शिविर में गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड बून्दी, वरूण बेवरेज कापरेन, कुल 24 संस्थानों ने शिविर में भाग लिया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम की खरीद शुदा सम्पत्ति भूखंड संख्या 39 गिरधर एन्कलेव कुन्हाड़ी कोटा में स्थित है। प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम के द्वारा एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेजात एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड में रहन कर रखे है। प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम का दिनांक 06.08.2019 को देहान्त हो चुका है। प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम के पुत्र रवि चौपड़ा ने जाहिर किया है कि उनके अतिरिक्त स्व. प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम की पत्नी श्रीमती गोपाली चौपड़ा व पुत्र जितेन्द्र चौपड़ा एवं पुत्री हेमलता चौपड़ा ही विधिक वारिसान है इनके अतिरिक्त प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम के अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है। उक्त सम्पत्ति के पेटे लिए हुए ऋण की पूर्ण अदायगी एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड को की जा चुकी है। प्रहलाद चौपड़ा पुत्र लादूराम के पुत्र रवि चौपड़ा उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेज को प्राप्त करना चाहते है। यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता या एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड शाखा विज्ञान नगर कोटा के समक्ष लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद सूचना कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।

दिनांक : 30.01.2025

संदीप जैन एडवोकेट
583-ए तलवण्डी, कोटा
मो. 9829180432

प्रारुप 7
नियम 11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 13 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू.डि. महोदय, ललितपुर उत्तर प्रदेश
मु. 140/25 (F.T.C.)
पुलिस थाना कोतवाली, ललितपुर उत्तर प्रदेश
मामले में
सुश्री श्रीमती दिपाली परिवादी
बनाम
सुश्री/श्री वरुण जैन आदि प्रत्यर्थी
प्रेषिती 1. वरुण जैन पुत्र वीरेन्द्र जैन
2. वीरेन्द्र जैन पुत्र स्व. हीरालाल जैन
3. श्रीमती सरोज W/o वीरेन्द्र जैन
समस्त नि.- B-411, इन्द्रविहार कॉलोनी, कोटा थाना व जिला कोटा, राजस्थान

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 (2005 का 43) की धारा 12 DV Act के अधीन आवेदन फाइल किया है।

आपको यह कारण बताते के लिए क्यों न आवेदक द्वारा माँगे गये अनुतोष (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या इस न्यायालय द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत काउंसिल के मार्फत तारीख 15 माह 02 सन 2025 को 10.00 बजे पूर्वाहन/अपराहन में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है इसमें असफल होने पर न्यायालय एकपक्षीय कार्यवाही करेगा।

मेरे हस्ताक्षर और...... न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख 24.01.25 को दी गई।

(मोहर) मुंसरिम सिविल जज (जू.डि.) त्वरित न्यायालय, ललितपुर

एस.यू.पी.डब्ल्यू. शिविर का समापन

रामगंजमंडी, (निसं)। वात्सल्य माध्यमिक विद्यालय रामगंजमंडी का तीन दिवसीय एसयूपीडब्ल्यू शिविर का 30 जनवरी गुरुवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा परिवार के ब्लॉक अध्यक्ष भवानी शंकर शेरावत थे व अध्यक्षता जर्नलिस्ट वेलफेयर सोसायटी (पत्रकार संघ) रजि.रामगंजमंडी अध्यक्ष जितेन्द्र जोशी ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजू राठौर, जय शर्मा, रवि मेहरा, युवराज देवड़ा, अतुल रहे। सर्वप्रथम सभी अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात शाला के प्रधानाध्यापक राजेंद्र धानिया के द्वारा बताया गया की प्रथम दिवस में छात्र-छात्राओं के द्वारा गोवर्धनपुरा माताजी मंदिर परिसर में श्रमदान किया गया द्वितीय दिवस में कई प्रतियोगिताएं हुई। जिसमें दौड़ में लड़कों में हाशिम प्रथम व लड़कियों में प्रियंका प्रथम रही। तीन टांग प्रतियोगिता में लड़कों में किशन व नितेश व लड़कियों में मनीषा व ईरम, नींबू चम्मच दौड़ में लड़कों में हाशिम व लड़कियों में दीपिका, बोरी गेम में जैनब, रस्सी कूद में सीनियर में किशन व जूनियर में विवेक,चेयर डांस में लड़कों में रविन्द्र कुमार महावर लड़कियों में रौनक, मेहंदी प्रतियोगिता में टीना प्रथम व रवीना द्वितीय रंगोली प्रतियोगिता में अनम प्रथम व संजना द्वितीय सफाई कार्य में अमन व खाना प्रतियोगिता में जैनब प्रथम व लड़कों में अमन वर्मा रहे। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा एक से बढ़कर एक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। जिसे अतिथियों ने खूब सराहा। छात्र-छात्राओं को अतिथियों के द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही आये हुए सभी अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की कामनाएं कि व उन्हें कैरियर गाईडेंस के बारे में जानकारी दी। शाला के प्रधानाध्यापक राजेंद्र धानिया के द्वारा आये हुए सभी अतिथियों का आभार जताया।

श्रद्धांजलि अर्पित की

झालावाड़ (निसं)। मदरसा हमीदिया स्कूल में गुरूवार को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं अध्यापकों ने महात्मा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजली दी। हमीदिया स्कूल के सदर अ.नफीस ने कहा कि गांधीजी के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें अपने कार्य करने चाहिये।

जी.एस.टी. इंस्पेक्टर को चार हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

टीम को देखकर इंस्पेक्टर ने सड़क पर रुपए फेंक दिये

पाली, (निसं)। पाली एसीबी ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जीएसटी के इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। आरोप है कि परिवादी से फर्म के कागजात को लेकर रिश्वत की डिमांड की गई। फिलहाल एसीबी टीम कार्रवाई में जुटी है।

पाली शहर के वीडी नगर स्थित एसीबी द्वितीय के ऑफिस में एक परिवादी ने शिकायत दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि उसके फर्म के कागजात सही करने और जुर्माना माफ करने को लेकर जीएसटी विभाग में कार्यरत इंस्पेक्टर नरेंद्रसिंह रिश्वत की डिमांड कर रहा है। इस पर एसीबी की ओर से शिकायत का सत्यापन करवाया गया। शिकायत सही पाए जाने पर आज गुरुवार को एसीबी द्वितीय के एएसपी खींव सिंह के नेतृत्व में एसीबी टीम ने आरोपी जीएसटी इंस्पेक्टर नरेंद्रसिंह को 4 हजार रुपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी जोधपुर रेंज उप महानिरीक्षक पुलिस हरेन्द्र कुमार महावर के सुपरविजन में एसीबी पाली द्वितीय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींवसिंह मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी नरेन्द्र सिंह सीजीएसटी निरीक्षक केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर संभाग पाली को चार हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। टीम को देखते ही आरोपी ने रिश्वत की राशि जेब से निकालकर सड़क पर फेंक दी। जो बरामद कर ली गई।

आरोपी जी.एस.टी. इंस्पेक्टर को एसीबी टीम ने गिरफ्तार किया।

- **परिवादी से फर्म के कागजात को लेकर रिश्वत की डिमांड की गई थी**

दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल का कारावास

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने गुरूवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी जोगी नवीन को बीस साल के कारावास की सजा सुनाई है।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता के पिता ने जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के समक्ष रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी चौदह वर्षीय नाबालिग पुत्री व पुत्रवधु (दोनों ननद भाभी) 2 मई 2024 को दिन में करीब डेढ बजे घर से किसी को बिना बताये चली गई, जिसकी गुमशुदगी भाद्राजून थाना में दर्ज करवाई। गुमशुदगी के दौरान पुत्रवधु को 4 जुलाई 2024 को अहमदाबाद से दस्तयाब कर लाया गया। वहीं नाबालिग पीड़िता व आरोपी जोगी नवीन पुत्र नथूजोगी, निवासी दरसडी पुलिस थाना गढशीशा जिला कच्छ गुजरात से 14 अगस्त 2024 को पकड़कर थाना लाया गया। नाबालिग पीड़िता ने अनुसंधान के दौरान बताया कि वह और उसकी भाभी दोनों काम की तलाश में अहमदाबाद चले गये, जहां उनकी मुलाकात जोगी नवीन से हुई। उसके बाद वह आरोपी जोगी नवीन के साथ उनके गांव चली गई और उसके साथ खेती का काम करती थी। तथा उसके साथ राजीखुशी अपनी इच्छा से रही। पीड़िता ने अपने साथ लैगिंक हिंसा होने का कोई तथ्य नहीं बताया। पुलिस ने पीड़िता को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। पीड़िता को सखी सेंटर में रखते समय बाल कल्याण समिति के निर्देश से पीड़िता की सोनाग्राफी करवाई गई, जिसमें वह सोलह सप्ताह तीन दिन की गर्भवती होना पाया गया। आरोपी जोगी नवीन को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट के लिए सैम्पल एफएसएल के लिए भेजे। डीएनए रिपोर्ट में आरोपी द्वारा नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म करना पाया गया। पुलिस ने बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से तेरह गवाह के बयान लेखबद्ध किये गये। पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने आरोपी जोगी नवीन को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए पाया कि आरोपी ने नाबालिग को मदद करने के भरोसे उसे अपने साथ रखकर उसके साथ बलात्कार किया तथा नाबालिग को सिखाकर दुष्कर्म का आरोप किसी अन्य पर लगा दिया। डीएनए रिपोर्ट के आधार पर स्थिति स्पष्ट हुई कि आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी का अपराध गंभीर प्रकृति का होने से आरोपी जोगी नवीन को बीस साल के कारावास की सजा सुनाई। वहीं पचास हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। सरकार की ओर से पैरवी विशिष्ठ लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित ने की।

- **डीएनए रिपोर्ट में आरोपी द्वारा नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म करना पाया गया था**

दो तस्कर गिरफ्तार : कोटा में रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने 2167 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तस्करी में फरार चल रहे चार-चार हजार के इनामी दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि मामले में फरार चल रहे दो इनामी आरोपी अमरकुंआ निवासी रमेशचन्द गुर्जर (35) और सांवरलाल उर्फ सांवरा गुर्जर (36) को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व में भी कई तस्कर गिरफ्तार हो चुके है। वहीं पुलिस दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

कार्यालय नगर निगम जोधपुर उत्तर

क्रमांकः– अग्नि/13/JFS/2024–25/13104510 दिनांकः– 26.01.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

(UB No. DLB2425WSOB15742)

नगर निगम जोधपुर उत्तर की ओर से नागौरी गेट व मण्डोर फायर स्टेशन के छः अग्निशमन वाहनों का रखरखाव एंव संचालन हेतु निविदाऐं अनुभवी एंव योग्य प्रतियोगियों से e-tenderning प्रक्रिया से आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते e-tenderning प्रक्रिया से आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurmc.org एंव www.Sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/24/11047

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर

SEWDSC.DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमाक-पीएमकेएसवाई-2.0/निविदा/2024-25/1624-27 दिनांक-20.01.2025

NOTICE INVITING BID
NIB NO. 10 YEAR 2024-25

Bids for NRM Works (ECD & MPT etc. under PMKSY 2.0 Project Area in Block Bari of Distt. Dholpur of estimated value INR 147.62 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 30.01.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state.
UBN- WSC2425WSOB01070, NIB-WSC2425A0512

(लाखन सिंह मीना)
अधीक्षण अभियन्ता
एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर
जिला परिषद धौलपुर

DIPR/C/963/2025

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर

क्रमांक-अ.अ./चि.एवं स्वा./2024-25/3716-26 दिनांक-20.01.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 19/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 90.15 लाा के 4 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. MHS2425A3205
1. MHSWSOB04601, 2. MHSWSOB04602, 3. MHSWSOB04603, 4. MHSWSOB04604

(विनोद कुमार स्वामी)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/916/2025

फर्जी डिप्लोमा और जालसाजी मामले में डॉक्टर सहित दो पर मुकदमा दर्ज

अजमेर, (कासं)। माखुपुरा स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. बालकिशोर शर्मा और उनके सहयोगी पीयूष कुमार पांडे के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों से ठगी करने के आरोप में अदालत ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। आरोपियों पर युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने और जाली डिप्लोमा प्रमाण पत्र देने का आरोप है।

एडवोकेट शंकरलाल मेघवंशी और एडवोकेट राजीव भारद्वाज बगरू ने बताया कि युवराज सिंह नामक व्यक्ति की मुलाकात श्री बालाजी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. बालकिशोर शर्मा से हुई। डॉक्टर ने उसे डिप्लोमा इन रेडिएशन एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी कोर्स कराने और इसके बाद सरकारी नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। इसके लिए लगभग चार लाख रुपए का खर्च बताया गया। युवराज सिंह ने अपने पिता ज्ञान सिंह की मौजूदगी में चार लाख की राशि डॉ. शर्मा को सौंप दी। डॉक्टर ने भरोसा दिलाया कि दो साल बाद परीक्षा दिलाकर डिप्लोमा प्रमाण पत्र उपलब्ध करा देंगे। दो साल बीतने के बाद जब युवराज सिंह ने संपर्क किया, तो डॉक्टर ने बहाना बनाया कि प्रक्रिया में विलंब हो रहा है। इस दौरान डॉक्टर ने युवराज की बहन के लिए भी कोर्स कराने का प्रस्ताव रखा, जिससे युवराज सिंह ने बहन के पति डूंगर सिंह के खाते से 75 हजार और 85 हजार डॉक्टर शर्मा के खाते में जमा कराए। इसके अलावा पिता ज्ञान सिंह ने 2 लाख 40 हजार नकद दिए और बहन के दस्तावेज भी डॉक्टर को सौंपे। डॉक्टर ने कहा कि शीघ्र ही कोर्स पूर्ण करवाकर परीक्षा दिलवा दी जाएगी, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब परिवादी ने बार-बार संपर्क किया और अपने 8 लाख लौटाने की मांग की, तो डॉक्टर ने पांच सौ के नोटरी प्रमाणित इकरारनामे पर आश्वासन दिया कि दो महीने के भीतर डिप्लोमा प्रमाण पत्र दे देंगे, अन्यथा 13.2 लाख लौटाने की बात कही। समय बीतने के बाद जब युवराज ने फिर से संपर्क किया तो डॉ.शर्मा ने सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें सौंप दिए और कहा कि इन्हें ले लो, वरना झूठे मुकदमे में फंसा दूंगा और जेल भिजवा दूंगा। उन्होंने अपनी ऊंचे पदों पर जान पहचान होने का हवाला देकर डराने की कोशिश की।

पीड़ित युवराज सिंह ने पुलिस में शिकायत दी,लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, इसके बाद पीडित् ने न्यायालय में इस्तगासा दायर किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या चार कोमल भाटी ने आदर्श नगर थाने को आदेश दिया कि डॉ.बाल किशोर शर्मा और पीयूष कुमार पांडे के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच की जाए। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

- **आरोपियों पर युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने और जाली डिप्लोमा प्रमाण पत्र देने का आरोप है**

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के नया गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। खेत में सिंचाई करते समय बिजली के तार की चपेट में आने से 35 वर्षीय महिला किसान की मौत हो गई। मृतका की पहचान नया गांव पुनाली निवासी सीता पत्नी बसु ननोमा के रूप में हुई है।

घटना उस समय हुई जब सीता खेत में फसलों को पानी दे रही थी। अचानक वह बिजली लाइन के संपर्क में आ गई और तेज करंट का झटका लगने से नीचे गिर पड़ी। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने तुरंत उन्हें डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला के 10 वर्ष का एक बच्चा है।

उनके पति अहमदाबाद में मजदूरी करते हैं। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है और शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। देवल स्थित मृतका के मायके पक्ष को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। दोवडा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मादक पदार्थ मामले में फरार दो इनामी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा शहर के दो अलग-अलग थाना इलाकों में पुलिस टीम ने मादक पदार्थ मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि दादाबाड़ी थानाधिकारी मांगेलाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी आधार व मुखबीर की सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार एक हजार के इनामी आरोपी पनवाड़ जिला झालावाड़ हाल शिवपुरी निवासी ओमप्रकाश (40) को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि कुन्हाडी थाने के उपनिरिक्षक भंवरलाल ने सात जनवरी को कार्यवाही करते हुए बालापुरा निवासी अनिल को 300 ग्राम गांजा सहित पकड़ा था, जिसका अनुसंधान नयापुरा थाने की उपनिरीक्षक संतोष चन्द्रावत कर रही थी। पकड़े गये आरोपी अनिल से अनुसंधान में अवैध मादक पदार्थ गांजा कासिम बेग से खरीद कर लाना बताया, वहीं आरोपी कासिम बेग मौके से फरार हो गया। जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस प्रशासन द्वारा दो हजार के इनाम की घोषणा की गई।

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.

(A Government of Rajasthan Undertaking) Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, LalKothi, Tonk Road, Jaipur-302015 Ph: 0141-2742240; E-mail: rudsico@rajasthan.gov.in, ruifdco@gmail.com; Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico

F18 (52) RUDSICO/AMRUT-2.0/2024-25/Tender/621 Date :- 29/01/2025

NIB No. 10/2024-25

Notice inviting online bid for Rejuvenation of Water Body Project under AMRUT-2.0

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage & infrastructure Corporation Limited (RUDSICO), a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan through e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage-two envelope Bidding procedure for following works:

S. No.	Name of Work	Project Cost	Bid Security	Period of completion
1	Rejuvenation of Water Body projects at Jodhpur North, Nagaur, Bilara & Beawar Package - AMRUT 2.0/RAJ/RWB/03	11.92	0.238	15 months

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government sppp.rajasthan.gov.in and eproc.rajasthan.gov.in from date 30.01.2025 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 24.02.2025 up to 1500 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.

UBN No. : RDP2425WLOB00164, NIB Code : RDP2425A0037

Executive Director
RUDSICO, Jaipur

Raj.Samwad/C/24/11037

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत बारां

निविदा सूचना संख्या 06/2024-25

क्रमांक-अअ/वृत/बारां/2024-25/2568-75 दिनांक-08.01.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत खोली जावेगी। निविदा शुल्क/प्रक्रिया शुल्क/धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ईग्रास के माध्यम से चालान की प्रति इस कार्यालय में 31.01.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक जमा करवाना होगा। विभाग में पंजिकृत स्थाई संवेदक/फर्म का पुनरावलोकन जीवित नहीं होने की स्थिति में निविदा मान्य नहीं होगी।

उक्त निविदा एसपीपी पोर्टल पर प्रकाशित की जा चुकी है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है-
1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in, 2. http://sppp.rajasthan.gov.in

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	धरोहर राशि		निविदा/प्रक्रिया शुल्क (रूपये में)		कार्य पूर्ण करने की अवधि
			2%	0.50%	Tender Fees	RISL Fees	
06/2024-25	Annual Rate contract for Construction & Commissioning of 200 mm & 150 mm tube wells with Submersible pump sets etc. complete work in all types of strata including defect liability period of 02 year at various villages of PHED Division Chhabra UBN NO.: PHE2425WSRC08074	100.00	200000/-	50000/-	2000/-	1500/-	12 माह

"जल ही जीवन है"

(आलोक कुमार गुप्ता)
अधीाण अभियता
जन स्वा.अभि. विभाग, वृत बारां

DIPR/C/1011/2025

बजरी खनन का फरार आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन वाहन के करीब एक वर्ष से फरार चल रहे आरोपी चालक को गिरफ्तार किया है। बौंली थाना प्रभारी राधारमन गुप्ता ने बताया कि 11 जनवरी 2024 को हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह ने दौराने गस्त ग्राम थडोली से अवैध बजरी खनन व परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया था। इसके बाद चालक मौके से फरार हो गया था। इस आरोपी रामलाल मीणा ग्राम शिवाड़ थाना चौथ का बरवाड़ा को अनुसंधान अधिकारी उप निरीक्षक राजेंद्र गिरी की टीम ने भाडौती कस्बे से गिरफ्तार किया है।

बाइक नहर में गिरी, छोटे भाई की मौत

बड़े भाई ने तैरकर बचाई जान, घर से 25 किमी दूर हुआ हादसा

डूंगरपुर, (निसं)। अहमदाबाद से घर लौट रहे दो सगे भाइयों की बाइक घर से 25 किमी दूर अनियंत्रित होकर सोमकमला आम्बा बांध की दांई नहर में गिर गई। हादसे में छोटे भाई की डूबने से मौत हो गई। हादसे में बड़े भाई ने तैरकर अपनी जान बचाई। हादसा आसपुर थाना क्षेत्र में टोकवासा मोड पर गुरुवार सुबह पांच बजे हुआ।

सीआई तेज सिंह ने बताया कि सलूंबर जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र के गदेया गांव निवासी शंकरलाल और कांतिलाल दोनों सगे भाई थे। दोनों अहमदाबाद में मजदूरी करते थे। शंकरलाल छोटे भाई कांतिलाल के साथ रात आठ बजे अहमदाबाद से बाइक से अपने गांव गदेया आ रहा था। इस दौरान घर से 25 किमी दूर टोकवासा मोड़ पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर एबीसी नहर में गिर गई। तभी शंकरलाल ने तैरकर अपनी जान बचाई और कांतिलाल पानी में डूब गया, जिसके बाद शंकरलाल ने बाहर आकर वार्ड पंच केशवलाल को फोन कर मदद मांगी। वहीं घटना की सूचना आसपुर पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नहर का पानी बंद करवाकर कांतिलाल की तलाश शुरू की। कांतिलाल का शव पानी में तैरता हुआ मिला, जिसे प्रशासन ने बाहर निकाला और सीएचसी आसपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल शंकरलाल का इलाज सीएचसी में चल रहा है।

दोनों भाई अहमदाबाद में लौट रहे थे। कांतिलाल की शादी पांच साल पहले हुई थी और उसकी 2 साल की बेटी है। कांतिलाल के पिता गेबा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **दोनों भाई अहमदाबाद में लौट रहे थे, कांतिलाल की शादी पांच साल पहले हुई थी और उसकी दो साल की बेटी है**

पानी की टंकी में अवैध कनेक्शन को लेकर दो पक्षों में झगड़ा, 20 घायल

एक पक्ष ने बुजुर्ग के सीने में गोली मार दी, जो बुजुर्ग के फेफड़ों में फंस गई

अलवर, (निसं)। पानी की टंकी में अवैध कनेक्शन लेने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। इस दौरान एक पक्ष ने बुजुर्ग के सीने में गोली मार दी। गोली बुजुर्ग के फेफड़ों में फंस गई। परिजनों ने उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। इस विवाद में दोनों पक्षों के 20 लोग घायल हो गए, जिसमें दो महिलाएं भी शामिल है। 14 लोगों का अलवर जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना अलवर के मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के खेरली पंचनोत गांव में हुई। विवाद की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मालाखेड़ा एसएचओ हितेश शर्मा ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना के तहत बिछाई गई पानी की पाइप लाइन में अवैध कनेक्शन को लेकर झगड़ा हुआ। शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों परिवारों में जमीन की तारबंदी को लेकर पुरानी रंजिश थी। सभी लोग एक ही दादा के परिवार के हैं। इस घटना के दौरान भगवान सिंह (63) को गोली लग गई। वह पेशे से किसान हैं और खेतीबाड़ी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। भरत सिंह के पक्ष से करीब 10 लोग घायल हुये हैं। इनकी पहचान महावीर सिंह, हनुमान सिंह, मीना कंवर, दीपेंद्र सिंह, सतवीर सिंह, दशरथ सिंह, लक्ष्मी के रूप में हुई है।

एसएचओ हितेश शर्मा ने बताया कि दूसरे पक्ष के भगवान सिंह (63) को गोली लगी है। इसके अलावा दीनदयाल (68), भैरू सिंह, जगदीश सिंह, गणेश, सीताराम और रसाल घायल हैं। इनमें से 10 से ज्यादा लोगों के सिर, नाक और मुंह पर चोटें आई हैं। घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

- **घायल 14 लोगों का अलवर जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है**

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास - सबको आवास

एमएनआईटी फैकल्टी रेजिडेंसी फेज-5

लोकेशन व पुस्तिका के लिए स्कैन करें

पुस्तिका

लोकेशन

बहुमंजिला फ्लैट्स

एन आर आई सर्किल के पास,
सेक्टर-26, प्रताप नगर,
सांगानेर, जयपुर

- एमएनआईटी में सेवारत और सेवानिवृत्त शिक्षक एवं अधिकारी/केन्द्र एवं राज्य सरकार के महाविद्यालय/उच्च शिक्षण संस्थान / स्किल डवलपमेंट कॉलेज / विश्वविद्यालय / मेडिकल कॉलेज / इंजीनियरिंग कॉलेज / पॉलिटेक्निक कॉलेज / प्रशिक्षण कॉलेज के सेवारत शिक्षक / एमएनआईटी के पूर्व छात्र या उनके पति / पत्नी जो वर्तमान में केन्द्र सरकार या राजस्थान सरकार में सेवारत / राज्य अथवा केन्द्र सरकार के चिकित्सालयों के सेवारत एवं सेवानिवृत्त डॉक्टर्स
- राज्य सरकार के पेमैट्रिक्स 14 और इससे अधिक एवं केन्द्र सरकार के श्रेणी "ए" सेवारत / सेवानिवृत्त अधिकारी भी इस योजना के लिए पात्र होंगे। *नियम एवं शर्तें आवेदन पुस्तिका अनुसार

स्ववित्त पोषित योजना

आय वर्ग	फ्लैट्स संख्या	सुपर बिल्ट अप एरिया (वर्ग फीट में)	प्रावधान	अनुमानित लागत (रु. लाख में) प्रति फ्लैट
HIG-I	17	3489	3BHK+ सर्वेंट रुम	144.50
HIG-II	8	3625	3BHK+ सर्वेंट रुम	152.35
HIG-III	7	2543	2BHK	104.65
HIG-IV	3	2580	2BHK+ सर्वेंट रुम	103.75

Online आवेदन प्रारम्भ
1 फरवरी 2025
आवेदन की अंतिम तिथि
28 फरवरी 2025

सुविधाएं
• क्लब हाउस • बैंक्वेट हॉल • जिम • स्पा • स्विमिंग पूल • टेनिस कोर्ट • लैंड स्केपिंग • फ़ायर फाइटिंग सिस्टम • इंडोर गेम्स • गेस्ट हाउस • रेन वॉटर हार्वेस्टिंग • सुरक्षा गार्ड • एलईडी लाइट्स

राज.संवाद/सी/24/11059

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, कमल कुमावत (6376868696) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

RERA Reg. No. RAJ/P/2022/1996 | Website: https://rera.rajasthan.gov.in

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए RHB की वेबसाइट
https://rhb.rajasthan.gov.in देखें।

आवासन आयुक्त

राइजिंग राजस्थान और बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारें अधिकारी : वैभव गालरिया

- 'निवेशकों से संवाद कर भूमि चिन्हिकरण और भू-आवंटन की प्रक्रिया पूरी करें'
- विकास प्राधिकरण और न्यास के स्वामित्व वाली जमीनों से हटाएं अतिक्रमण, सतत निगरानी भी रखें : प्रमुख शासन सचिव

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के एमओयू से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर (कासं)। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को वीडियो कॉफ्रेंस के जरिये ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के तहत हुए एमओयू से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि ''राइजिंग राजस्थान'' के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए सभी प्राधिकरण और न्यास अपने-अपने जिले के कलक्टर से समन्वय कर निवेशकों के साथ सम्पर्क स्थापित करें और भूमि के चिह्निकरण, भू-आवंटन आदि प्रकरणों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। गालरिया ने ऑनलाइन इन्वेस्टर इंटरफ़ेस पोर्टल के नियमित उपयोग के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पोर्टल का उपयोग नियमित रूप से किया जाये साथ ही पोर्टल पर निवेशकों द्वारा भेजी जाने वाली मीटिंग रिक्वेस्ट्स का जवाब भी तुरंत देकर ज़्यादा से ज़्यादा निवेशकों के साथ बैठक की जाए। इसके अलावा माइलस्टोन मॉनिटरिंग संबंधित सूचना भी तय समय सीमा में उपलब्ध करवाई जाये, जिससे कि कार्य प्रगति की समीक्षा व मूल्यांकन किया जा सके।

बैठक में बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा भी की गई।

गालरिया ने कहा कि विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए कहा। साथ ही इसमें आ रही समस्याओं के बारे में भी अफसरों से चर्चा की। उन्होंने विधानसभा प्रश्नों के उत्तर, लम्बित लाइट्स प्रकरण, सम्पर्क पोर्टल के प्रकरण, रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

उन्होंने रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा करते हुए कहा कि विक्रय योग्य भूमि को सूचिबद्ध किया जाए। प्राधिकरण एवं न्यास के स्वामित्व वाली भूमियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सतत रूप से इन भूमियों की निगरानी की जाए तथा अतिक्रमणों का चिह्निकरण कर उन्हें हटाने की तत्काल कार्रवाई की जाए।

बैठक में आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ,जेडीए उप शासन सचिव द्वितीय राकेश कुमार गुप्ता, उप शासन सचिव तृतीय राकेश कुमार, मुख्य अभियंता यूडीएच अशोक चौधरी तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला विकास प्राधिकरणों व जिला विकास न्यासों के अधिकारियों ने भी वीसी के जरिये बैठक में भाग लिया।

सी.एम. ने मंत्री-परिषद् के सदस्यों से सत्र की तैयारियों को लेकर की चर्चा

16वीं विधानसभा के आगामी सत्र को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मंत्री-परिषद् के सदस्यों के साथ बैठक कर संवाद किया। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सदन में प्रश्नों के प्रभावी जवाब प्रस्तुत करने, जनहित के मुद्दों पर राज्य सरकार की नीति-निर्णयों को मजबूती से रखने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही, बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलुओं के विषय पर भी फीडबैक लिया। उल्लेखनीय है कि 16वीं विधानसभा का तृतीय सत्र (31 जनवरी) से शुरू होगा, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री ने मंत्री-परिषद् के सदस्यों के साथ संवाद किया।

धूमधाम से मनाया दिया कुमारी का जन्मदिन

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के जन्मदिन के अवसर पर किशन बाग बस्ती में भोजन वितरण किया गया।

जयपुर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का जन्मदिन गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया।

उपमुख्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के माध्यम से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें दिया कुमारी को विद्याधर विधानसभा क्षेत्र, जयपुर और प्रदेश भर से हजारों की संख्या में आम जन और विशिष्ट जनों सहित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों ने जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनायें दीं।

दिया कुमारी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए साथ ही किशन बाग बस्ती में में भोजन वितरण भी किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जन्मदिन पर गुरुवार को मोतीडूंगरी गणेश जी और गोविन्द देवजी के दर्शन कर प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए पूजा अर्चना की।

उन्होंने शहीद दिवस के मौके पर सचिवालय पहुंचकर राष्ट्रिपता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रृद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री ने सर्वेश्वर मंदिर,बालाजी कॉलेज के सामने,बेनाड रोड़ से कुंभ यात्रा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के चिन्हित आंगनबाड़ियों में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (महिला एवं बाल विकास विभाग) की ओर से 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों तथा गर्भवती व धात्री माताओं में कुपोषण को दूर करने के लिए मिलेट्स चिक्की व पीनट्स मिलेट्स चिक्की न्यूट्री बार वितरण का शुभारम्भ किया। जिसमें कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व फण्ड की राशि से स्व-वित्त पोषित पायलेट आधार पर लाभार्थियों को 20 ग्राम मात्रा में मल्टी मिलेट न्यूट्रीबार प्रति लाभार्थी सप्ताह में तीन दिवस (सोमवार, बुधवार एवं गुरूवार) को उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार प्रति लाभार्थी सप्ताह में तीन दिवस (मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार) को 30 ग्राम मात्रा में मिल्की मिलेट बार उपलब्ध कराया जाएगा।

सभी स्कूलों में सूर्य नमस्कार करवाने के आदेश का विरोध

जयपुर। राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम द्वरा आज एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स करके 3 फ़रवरी को राजस्थान के सभी स्कूलों में सूर्य नमस्कार करवाने के आदेश का विरोध किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेन्स को सम्बोधित करते हुए राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम के महासचिव मोहम्मद नाज़िमुद्दीन ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा भारत जैसे लोकतान्त्रिक देश में व्यायाम का बहाना बनाकर शैक्षिणक संस्थानों में विशेष संस्कृति की मान्यताओं और कर्म कांडों को सरकारी तन्त्र द्वारा अन्य धर्म के लोगों पर थोपने की कोशिश की जा रही है जो कि धार्मिक स्वतन्त्रता का खुला उल्लंघन व घृणित प्रयास है।

उन्होंने इसका विरोध किया कि राजस्थान सरकार के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा समस्त माध्यमिक शिक्षा उपनिदेशकों तथा ज़िला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वह सूर्य सप्तमी के अवसर पर यह सुनिश्चित करें कि सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में प्रार्थना सभा के समय 20 मिनट निर्धारित करके सूर्य नमस्कार करवाया जाए। जमीअत उलमा-ए-हिन्द राजस्थान के उपाध्यक्ष हाफ़िज़ मन्ज़ूर अली ने कहा हिन्दु समाज में सूर्य को भगवान/देवता के रूप में पूजा जाता है जिसमें कई श्लोकों के उच्चारण के साथ प्रणामासन्न, अष्टांग नमस्कार आदि क्रियाओं को इबादत समझ कर किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर प्रात: शासन सचिवालय पहुंचे। शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। शर्मा ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधीजी के प्रिय भजन ''वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम, तू ही है तो सहारा'' सुने।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा सहित अन्य मंत्री, मुख्य सचिव सुधांश पंत, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश के लिये बलिदान करने वाले शहीदों को याद किया। विधान अध्यक्ष ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया।

इस अवसर पर विधान सभा में पूर्व विधायक नवरंग सिंह, प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा, सुशील शर्मा सहित विधान सभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

महिला पार्षद ने किया पांच करोड़ रुपए का मानहानि का दावा

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम के वार्ड संख्या 127 की बीजेपी पार्षद ने अवैध निर्माण से जुड़े विवादित वीडियो बनाए जाने के मामले में प्रतिवादी मोहन सेतिया व अन्य के खिलाफ पांच करोड़ रुपए का मानहानि का दावा किया है। एडीजे क्रम-8 महानगर प्रथम ने मामले में प्रारंभिक सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को पाबंद किया है कि वह विवादित वीडियो का प्रसारण नहीं करे। अदालत ने यह आदेश पार्षद जयश्री गर्ग के मानहानि दावे पर दिए।

वादी के अधिवक्ता पंकज खन्ना ने अदालत को बताया कि 16 जुलाई 2024 की रात मोहन सेतिया नाम के व्यक्ति ने उसके मोबाइल नंबर पर एक यूट्यूब चैनल का वीडियो भेजा। इसमें बिना पूरी जानकारी के मकानों के वीडियो दिखाकर झूठे तथ्य पेश किए और इनमें से कुछ बिल्डिंग तो उनके वार्ड में ही नहीं थीं। इससे उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया गया। यह व्यक्ति पहले भी परिवादिया से पैसे की मांग कर चुका है। इसके बाद 17 जुलाई को मोहन सेतिया एक महिला के साथ उनके घर आया और इधर-उधर की ब्लैकमेलिंग की बातें कर परिवादिया को डराने-धमकाने लगे। उन्होंने वीडियो को वायरल करने और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा व चरित्र को भी बदनाम करने की धमकी दी। मोहन ने उसे कहा कि वह 5 लाख रुपए दे तो वह वीडियो वायरल करने से रोक सकता है। जिस पर परिवादिया ने मोहन को जाने के लिए कहा। इस वीडियो में परिवादिया के फेसबुक अकाउंट से नाम व फोटो लेकर उन्हें बदनाम किया है और प्रतिवादी ने केवल ब्लैकमेलिंग व आर्थिक लाभ के लिए ही यह वीडियो बनाया है। ऐसे में परिवादी को मानसिक प्रताडना झेलनी पडी और उसका समाज में अपमान हुआ। ऐसे में उसे मानहानि के तौर पर पांच करोड रुपए का मुआवजा दिलाया जाए।

ई-रिक्शे में महिलाओं के बैग में चोरी करने वाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैम्प थाना पुलिस ने ई-रिक्शा में सवार महिला के बैग से जेवरात और नगदी चोरी करने वाली तीन गुजराती महिलाओं सहित ई-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों से पूछताछ कर चोरी का माल बरामदगी के प्रयास करने में जुटी है।

गिरफ्तार आरोपी महिला कोमल (25), नंदनी (30), ज्योति (30) मूलत: झोपड पट्टी साबरमती टूटी पुलिया के नीचे, अहमदाबाद गुजरात हाल किराएदार खो-नागोरियान तथा ई-रिक्शा चालक सुशील कुमार (35) मूलत: पारीकों का मोहल्ला सीरसी हाल किराएदार शिवाजी नगर भट्टा बस्ती के रहने वाले है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पीडिता सुधा कंवर ने 26 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पीडिता ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वह ट्रेन से अपने बच्चों के साथ भीलवाडा ससुराल से जयपुर आई थी। जयपुर जंक्शन से वह आरोपी के ई-रिक्शे में चौडा रास्ता जाने के सवार हुई थी। इस दौरान रास्ते में तीनों महिलाओं को भी ई-रिक्शे वाले ने मेरे मना करने के बावजूद बैठा लिया। तीनों महिलाएं सिंधी कैम्प थाली रेस्टोरेंट के पास ई-रिक्शे से उतर कर तेजी से चली गई। शक होने के पर सामान संभाला तो उसके पर्स से सोने-चांदी के जेवरात और 10 हजार की नगदी नहीं मिली। इसके बाद पीडिता ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए एक स्पेशल टीम का गठन कर ई-रिक्शा चालक को उसकी तीनों गुजराती महिला साथियों सहित गिरफ्तार कर लिया।

आदिवासी राज्यों से आये युवा संविधान पार्क सहित जयपुर फुट देख अचंभित हुए

छत्तीसगढ़, झारखंड एवं उड़ीसा से आए आदिवासी युवाओं ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का अवलोकन किया। युवा यहां जयपुर फुट पहनकर दौड़ते विकलांगों को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। युवाओं ने अपने क्षेत्रों में विकलांग सेवा शिविरों की जरूरत बताई और संस्था के संस्थापक पद्म भूषण डी आर मेहता के साथ संवाद किया।

जयपुर। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की और से गृह मंत्रालय के सौजन्य से यहाँ आयोजित 16 वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत पांचवें और छठे दिन तीन राज्यों के आदिवासी युवाओं ने महावीर विकलांग सहायता समिति, संविधान पार्क और शहीद दिवस सहित अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया।

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति छत्तीसगढ़ , झारखंड एवं उड़ीसा से आए आदिवासी युवाओं ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का अवलोकन किया। युवा यहां जयपुर फुट पहनकर दौड़ते विकलांगों को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। युवाओं ने अपने क्षेत्रों में विकलांग सेवा शिविरों की जरूरत बताई और संस्था के संस्थापक पद्म भूषण डी आर मेहता के साथ संवाद किया। मेहता ने युवाओं को बताया कि पोलियो और पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को निशुल्क उपकरणों और चिकित्सा सुविधाएं आदि संस्था द्वारा गत पचास वर्षों से निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होने बताया कि समिति ने अब तक 800 जिलों में 23 लाख लोगों को लाभान्वित किया है और दुनिया के 44 देशों में विकलांगों को मदद की है। उपकरण पूरी तरह से निशुल्क दिए गए हैं। इसके अलावा, समिति ने 6 महीने पहले सुकमा में एक शिविर आयोजित किया था, जिसमें स्थानीय लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान की गई थीं। अब समिति छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों जैसे दांतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर और छितरा में 5 और शिविर आयोजित करने जा रही है, ताकि वहां के लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। मेहता ने उन पांच युवाओं से बातचीत की जिनके पिता, चाचा, भाई को नक्सलियों ने मार दिया। उन्होंने आजीविका के लिए मदद करने का आश्वासन दिया संविधान पार्क का अवलोकन आदिवासी युवाओं ने राजभवन स्थित संविधान पार्क का भी अवलोकन किया। जहां उन्होंने संविधान की प्रस्तावना, मूल अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जाना। युवाओं ने पार्क में स्थापित विभिन्न कलाकृतियों और शिलालेखों के माध्यम से भारतीय संविधान के निर्माण और उसके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विवेकानंद विश्वविधालय में आयोजित शहीद दिवस पर आदिवासी युवाओं और विद्यार्थियों ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाग लिया और गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गांधीवादी विचारक सवाई सिंह ने युवाओं को गांधी जी के विचारों और आदर्शों के बारे में बताया। उन्होंने अपने वक्तव्य में गांधी जी के सादगी, अहिंसा, और सत्याग्रह के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ भुवनेश जैन , क्षेत्रीय निदेशक , नेहरू युवा केंद्र संगठन, पश्चिमी क्षेत्र , भारत सरकार ने की। उन्होंने गांधी जी के जीवन और दर्शन पर विचार व्यक्त किए। रामकेश मीणा, निरीक्षक, आर ए एफ ने भी अपने विचार रखे। विभिन्न कार्यक्रमों में क्षेत्रीय निदेशक डॉ भुवनेश जैन, राज्य निदेशक कृष्णलाल, जिला युवा अधिकारी कुमार मधुकर, मधु यादव और प्रदीप मीणा आदि उपस्थित थे।

संयुक्त निदेशक को तत्काल पदस्थापित करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 31 जनवरी को रिटायर हो रहे चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक को बिना देरी के तत्काल पदस्थापित करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण के बावजूद भी याचिकाकर्ता को पदस्थापित नहीं करने पर प्रमुख कार्मिक सचिव और चिकित्सा निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश जुल्फीकार अहमद काजी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता चिकित्सा विभाग, उदयपुर में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत था।

हाऊसिंग बोर्ड ने सहायक लेखाधिकारी नवीन और शेरसिंह को किया निलंबित

बताया जा रहा है कि प्रताप नगर स्थित आवासन मंडल के खंड पंचम कार्यालय को रात 10-11 बजे खोलने के मामले में दोनों अफसरों को सस्पैंड किया गया है, विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है

राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के प्रताप नगर स्थित खंड पंचम कार्यालय में मंगलवार देर रात पहुंचे दोनों सहायक लेखाधिकारी और पार्किंग में खड़ी गाड़ियों की तस्वीर।

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने भ्रष्टाचार के आरोपी कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रशांत गुप्ता के साथ-साथ दो सहायक लेखाधिकारी नवीन शर्मा और शेर सिंह को निलंबित किया है। बताया जा रहा है कि इन दोनों सहायक लेखाधिकारियों ने मंगलवार देर रात करीब 10-11 बजे प्रताप नगर स्थित आवासन मंडल के खंड पंचम कार्यालय को खुलवाया था। इस प्रकरण की जांच मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल को दी गई है, साथ ही कार्यालय समयावधि के पश्चात सक्षम स्वीकृति के बिना ऑफिस नहीं खोले जाने के आदेश भी विभाग ने दिए हैं।

- इसके अलावा 1 लाख रु. रिश्वत लेते ट्रैप हुए कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रशांत गुप्ता को भी निलंबित कर दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि इन दोनों अफसरों के साथ प्राइवेट व्यक्ति भी ऑफिस में दाखिल हुए थे, इनमें हाऊसिंग बोर्ड में सिक्यूरिटी एजेंसी संभालने वाले बजरंग व अन्य लोग बताये जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने देर रात हाऊसिंग बोर्ड का कार्यालय खुला देखकर मोबाइल में फोटो-वीडियो उतार लिए।

इसके बाद गुरूवार को सोशल मीडिया पर यह फोटो-वीडियो वायरल हुए और उच्चाधिकारियों को इसकी भनक लगी।

इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया और हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने उप आवासन आयुक्त भगवान सहाय से एवं अन्य अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। इसके बाद अफसरों ने पूरे मामले की जानकारी जुटाकर प्रकरण की वस्तुस्थिति से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।

इसके बाद देर शाम हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने दोनों सहायक लेखाधिकारियों पर एक्शन लेते हुए दोनों को निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए। इन दोनों कार्मिकों को सस्पैंड करते हुए निलंबन काल के दौरान अपनी उपस्थिति उप आवासन आयुक्त वृत तृतीय के समक्ष देने को कहा गया है।

सूत्रों का कहना है कि बुधवार देर रात आवासन मंडल के खंड पंचम कार्यालय को खोले जाने के पीछे क्या मकसद था, इस बारे में अभी तक कुछ सामने नहीं आ पाया है। बताया जा रहा है कि प्राइवेट व्यक्ति बजरंग, जो कि हाऊसिंग बोर्ड में सिक्यूरिटी गार्ड उपलब्ध करवाने का काम करता है, वह भी साथ में था, हालांकि हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर, प्राइवेट गार्ड की एजेंसी रखने वाला व्यक्ति और दोनों लेखाधिकारी रात के अंधेरे में क्या काम कर रहे थे।

इसके अलावा आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने भ्रष्टाचार के आरोपी कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रशांत गुप्ता के निलंबन के आदेश भी जारी कर दिए हैं। आरोपी प्रशांत को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर चौकी टीम ने बुधवार को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। आरोपी प्रशांत, इंदिरा गांधी नगर स्कीम में परिवादी के पिता की मृत्यु के पश्चात आवास का स्थानांतरण करने और इसका मांग पत्र जारी करने की एवज में 2.5 लाख रु. मांग रहा था। ए.सी.बी. इस मामले में उप सचिव अनिल पालीवाल की संदिग्ध भूमिका मानते हुए भी जांच कर रही है।

सायबर ठगी मामले में आठ गिरफ्तार, 16 मोबाइल, 22 फर्जी सिम बरामद

खेतों में पेड़ों पर मचान बनाकर सायबर ठगी को अंजाम दे रहे थे आरोपी

डूंगरपुर, (निसं)। प्रदेश पुलिस मुख्यालय के आदेश पर जिलेभर में सायबर ठगों के विरुद्ध कार्रवाई एवं सायबर अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये गये ऑपरेशन सायबर शील्ड के तहत जिला सायबर सेल एवं पुलिस थाना साबला की विशेष टीम ने आठ सायबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ठगों से 16 मोबाइल, 22 फर्जी सिम कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी एक करोड़ से ज्यादा राशि की आरोपी सायबर ठगी कर चुके थे।

साबला पुलिस व सायबर सेल ने आठ ठगों को गिरफ्तार किया।

- एक करोड़ से ज्यादा राशि की आरोपी सायबर ठगी कर चुके थे

जिला सायबर सेल के कानि हेमेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस को साबला क्षेत्र के सोम कमला आम्बा के पेटे के पास पिंण्डावल गांव के पास खेतों की मेड़ पर स्थित पेड़ों के के उपर मचान बनाकर 8.10 सायबर ठग फर्जी एस्कोर्ट सर्विस से लड़कियां उपलब्ध करवाने के नाम पर देशभर के विभिन्न राज्यों के व्यक्तियों के साथ आर्थिक सायबर ठगी कर रहे हैं, जिस पर जिला सायबर सेल टीम, सायबर थाना एवं पुलिस थाना साबला की संयुक्त टीम बनाकर सूचना के आधार पर पिण्डावल के पास खेतों में दबिश देने पर 8 से 10 युवकों को मचान से उतारा। जांच करने पर युवकों द्वारा मोबाइलों के सोशल मीडिया व्हाट्सअप, टेलीग्राम, फेसबुक एवं इंस्टाग्राम एवं खातों की डिटेल जांच करने पर विभिन्न राज्यों के आमजनों को अश्लील फोटो भेजकर उक्त सायबर ठगों द्वारा विभिन्न फर्जी खातों में ठगी की राशि ऐंठना पाया गया, जिस पर पुलिस टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया। आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि वह लुकांटो, आकलैंड, स्टूकों, स्कोका, इसलोका, सिटीजिएल पर फर्जी एस्कोर्ट सर्विस के नाम पर फर्जी एड जारी कर उस पर फर्जी सिम का नम्बर डालकर अश्लील फोटो आमजनों को भेजकर अपने झांसे में लेकर विभिन्न फर्जी खातों में ठगी गई राशि डलवाकर सायबर ठगी करते थे।

सायबर ठगों द्वारा फैक एवं अश्लील फोटो भेजकर उसमें से कोई एक फोटो सलेक्ट करवाकर एडवांस अमाउन्ट के नाम पर फर्जी खाते की डिटेल भेज दी जाती है एवं उसको अपनी बातों में उलझा कर जितना संभव हो सके उतनी राशि की ठगी लेते हैं। हाल ही के दिनों में जिला पुलिस द्वारा सायबर ठगों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई के डर से सायबर ठगों द्वारा गिरफ्तारी से बचने के लिये पहाड़ियों में एवं खेतों में पेड़ों के उपर मचान बनाकर सायबर ठगी का अपराध को अंजाम दिया जा रहा था। मामले को लेकर पुलिस ने अनुसंधान शुरु कर दिया है।

वहीं आरोपियों द्वारा अन्य सायबर ठगी के मामले उजागर होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस टीम ने दलजी पुत्र वेलजी पाटीदार निवासी पिंडावल साबला, डायालाल पुत्र तांजेग पाटीदार निवासी बोडीगामा बड़ा पुलिस थाना साबला, कमलेश पुत्र नारायण पाटीदार बोड़ीगामा बड़ा, पीरिक्षित पुत्र भगु पाटीदार निवासी बोडीगामा छोटा, जितेंद्र पुत्र परती पाटीदार निवासी पिंडावल, राजेश पुत्र गौतम पाटीदार निवासी पालोदा पुलिस थाना लौहारिया जिला बांसवाड़ा, राहुल पुत्र दिनेशचंद्र डामोर निवासी वाजेपुरा पुलिस थाना लौहारिया जिला बांसवाड़ा को गिरफ्तार किया।

प्रयागराज महाकुंभ गया बुजुर्ग व्यक्ति लापता, दो दिन बाद मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने गए खामोर ग्राम पंचायत के बहका खेड़ा गांव का एक बुजुर्ग व्यक्ति 28 जनवरी को सुबह अपने बहन व भानेज के परिवार के साथ गंगा में डुबकी लगाने के बाद महाकुंभ में भारी भीड़ में लापता हो गया।

जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा के देवलिया कलां के चार किलोमीटर दूरी पर खेड़ी गांव में बुजुर्ग की बहन व उसका परिवार रहता है। उनके साथ करीब दो गाड़ियों में 15 महिला व पुरुष प्रयागराज महाकुंभ मेले में स्नान करने 26 जनवरी को सुबह रवाना हुए, जिसके बाद 27 जनवरी को रात तक प्रयागराज कुंभ मेले में पहुंचे और 28 जनवरी को सुबह स्नान करने के दौरान स्नान कर बुजुर्ग प्रताप कुमावत अपने कपड़ों के पास गंगा से बाहर गया, जिसके बाद से लापता हो गया। खेड़ी निवासी भानेज रतन कुमावत ने बताया कि 28 जनवरी को स्नान करके बाहर निकले मामा प्रताप नहीं मिल रहे हैं। रतन ने बताया कि लापता होने के बाद से अभी तक मामा को काफी तलाश किया पर पता नहीं लग रहा है और भी तलाश कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस थाने में भी गुमशुदगी की रिपोर्ट दी गई। अपने स्तर पर बुजुर्ग की तलाश करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इसी बीच बुजुर्ग राहगीरों की मदद से खोया पाया केंद्र पर पहुंचा और स्थानीय सरपंच विजय भंवर को मदद से सकुशल परिजनों तक पहुंच पाया।

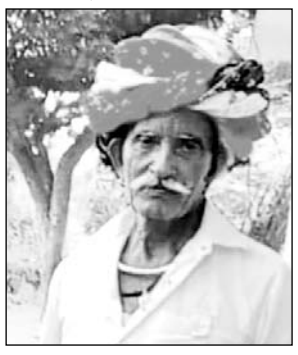

बुजुर्ग प्रताप कुमावत

- 28 जनवरी को सुबह स्नान करने के दौरान लापता हो गया था

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत बौंली पुलिस ने अवैध देसी शराब के के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बौंली थाना प्रभारी राधा रमन गुप्ता ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक मुरारी लाल की टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम जटावती से आरोपी गोकुल धोबी निवासी सेहरावता के कब्जे से 50 अवैध देशी शराब के पव्वे जब्त कर गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

जुआ खेल रहे युवक पुलिस को देखकर भागे

जोधपुर, (कासं)। शहर की महामंदिर पुलिस ने रामदेव नगर स्थित निजी बैंक के पीछे एक बाड़े में अनैतिक गतिविधियां चलने की सूचना पर रेड दी। पुलिस को आता देख तीन-चार लोग दीवार फांदकर भाग निकले।

बाद में बाड़े पर पहुंची पुलिस को वहां जुएं का अड्डा चलने की जानकारी हुई। मौका स्थल पर तीन बाइक, फोटो स्केनर, चकरी, लाखों का हिसाब-किताब लिखी डायरियां इत्यादि मिले, जो व्यक्ति यह कारोबार चला रहा था वह भी भाग गया। उसे नामजद किया गया है और अब तलाश की जा रही है। महामंदिर थाने के एसआई गोविंदसिंह ने बताया कि थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवड़ा को मुखबिरी सूचना मिली कि रामदेव नगर स्थित एचडीएफसी बैंक के पीछे एक बाड़े में अनैतिक गतिविधियां चल रही है। इस पर पुलिस की टीम एसीपी पूर्व हेमंत कलाल, थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवड़ा, एसआई गोविंदसिंह मय जाब्ते के वहां पर पहुंची। तब पुलिस को आता देखकर बाड़े की दीवार फांद कर तीन-चार लोग वहां से भाग गए। दीवार फांद कर भागने वालों में एक की पहचान रामदेव कॉलोनी महामंदिर निवासी विक्की नागौरा पुत्र बद्रीलाल कलाल के रूप में हुई है।

सायबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार, दो मोबाइल जब्त

करौली, (नि.सं.)। करौली जिले के सपोटरा थाना पुलिस ने सायबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया पर महिलाओं को निशाना बनाकर ब्लैकमेलिंग कर मोटी रकम की मांग करता था। पुलिस को आरोपी के बैंक खातों में लाखों रुपए का संदिग्ध लेन-देन मिला है।

- आरोपी सोशल मीडिया पर महिलाओं को निशाना बनाकर ब्लैकमेलिंग कर रकम मांगता था
- पुलिस को आरोपी के बैंक खातों में लाखों रुपए का संदिग्ध लेन-देन मिला है

सपोटरा थाना पुलिस ने सायबर ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

आईजी रेंज भरतपुर राहुल प्रकाश और करौली जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन सायबर शील्ड अभियान के तहत सपोटरा थाना पुलिस को यह सफलता मिली। थानाधिकारी धारासिंह के अनुसार आरोपी को हीरामन बाबा मंदिर के पास पहाड़ी कि तलहटी से पकड़ा गया।

पुलिस को देखते ही आरोपी के व्यवहार में संदिग्धता नजर आई और वह अपना मोबाइल छिपाने की कोशिश करने लगा। जांच में पता चला कि आरोपी मस्तराम मीणा 26 विभिन्न सोशल मीडिया ऐप्स का इस्तेमाल कर अनजान लोगों से दोस्ती करता था। फिर उन्हें अश्लील वीडियो और फोटो भेजकर ब्लैकमेल करता और मोटी रकम की मांग करता था। आरोपी फर्जी आईडी से फोन-पे और पेटीएम के जरिए पैसे वसूलता था। पुलिस को आरोपी के बैंक खातों में लाखों रुपए का संदिग्ध लेन-देन मिला है। आरोपी के दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं जिनमें से कई अश्लील वीडियो और फोटो बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में अन्य संलिप्त लोगों की तलाश की जा रही है।

मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा देकर ठगने वाला गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक को ठगने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ठगी करते हुए युवक से अलग-अलग कर करीब तीन लाख रुपए अपने खाते में डलवा लिए, जिस पर परिवादी द्वारा सायबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाने के बाद आरोपी को चिन्हित कर प्रागपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

जिला कोटपूतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा सायबर शील्ड अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा अपराधी को चिन्हित कर दीपेंद्र सिंह पुत्र महावीर सिंह निवासी टसकोला को गिरफ्तार किया गया। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरणसिंह ने बताया कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायत की जांच में सामने आया कि दीपेंद्र सिंह शेखावत ने अपनी इंस्टाग्राम व फेसबुक आईडी पर मेरी मर्चेंट नेवी की वर्दी में फोटो लगाकर महाराष्ट्र निवासी आदित्य गंगाधर को मर्चेंट नेवी में नौकरी लगाने का झांसा देकर अलग-अलग बार करीब एक लाख अपने अकाउंट में डलवा लिए। जिसकी शिकायत परिवादी ने सायबर पोर्टल पर की। उक्त शिकायत के आधार पर गठित थाना पुलिस टीम ने दीपेंद्र सिंह पुत्र महावीर सिंह निवासी टसकोला को गिरफ्तार कर शिकायतकर्ता से ऐंठी रकम एक लाख रुपए शिकायतकर्ता को वापस दिलवाई।

मानव खून की तस्करी का मामला: ब्लड बैंक प्रबंधन गिरफ्तार

अवैध ब्लड सप्लाई के मामले में पुलिस ने सवाई माधोपुर ब्लड बैंक के मैनेजर को गिरफ्तार किया।

सांभरझील, (निसं)। गत दिनों मकराना में ब्लड बैंक शिविर लगाकर 255 यूनिट मानव खून की तस्करी से जुड़े मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को सवाई माधोपुर ब्लड बैंक में प्रबंधक के पद पर काम करना बताया।

पुलिस ने बताया कि असुरक्षित तरीके से ब्लड का परिवहन कर विक्रय करने के लिए ब्लड माफियाओं को सौंपने की तैयारी पूरी कर ली गई थी, लेकिन जोबनेर थाना अधिकारी सुहेल खान को मिली खुफिया जानकारी के तुरंत बाद सतर्कता बरतते हुए पुलिस टीम ने मकराना से जयपुर की तरफ आ रही गाड़ी की तलाश कर मौके से 255 यूनिट मानव रक्त जिसे सुरक्षित तरीके से बिना कोल्ड चैन मेंटेन किया ले जाया जा रहा था को जप्त किया गया था। पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद सामने आया कि इस मामले में सवाई माधोपुर ब्लड बैंक में काम करने वाला मैनेजर भी लिप्त है। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनियां व प्रियंका वैष्णव पुलिस उप अधीक्षक जोबनेर के निकट सुपरविजन जोबनेर पुलिस ने अवैध बल्ड सप्लाई करने वाले मुल्जिम देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र कैलाश चन्द शर्मा निवासी डंगेडिया, मौहल्ला बोली, पुलिस थाना बोली, जिला सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

- गत दिनों मकराना में शिविर लगाकर 255 यूनिट मानव खून की तस्करी का मामला

तस्करी के दोषी को तीन साल की सजा

कोटा, (निसं)। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस ने अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा तस्करी के करीब 6 साल पुराने मामले में सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए तीन साल की सजा सुनाई। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस के न्यायाधीश ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में पकड़े गये तस्कर विकास पटेल को दोषी मानते हुए तीन साल की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार के अर्थ दंड से दंडित किया। जीआरपी पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध मादक पदार्थ 13 किलो डोडा-चूरा बरामद किया था।

विशिष्ट लोक अभियोजक महेन्द्र सिंह निर्भय ने बताया कि 20 दिसम्बर 2018 को जीआरपी के थानाधिकारी ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक पर बने मुसाफिर खाने से दो जनों को डिटेन कर पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम रामड़ावासा थाना पीपाड़सिटी जिला जोधपुर निवासी थानाराम व दूसरे ने मंडावला थाना सिणधरी जिला बाडमेर निवासी विकास पटेल बताया।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

निवाई। बरोनी थानान्तर्गत बारेडा रोड से एक आरोपी को 53 अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत बुधवार को पुलिस टीम ने नोहटा मोड़ के समीप पानी की टंकी के पास बारेड़ा रोड से भैरूलाल पुत्र जगदीश मीणा निवासी खारड़ा की ढाणी चतरपुरा थाना बरोनी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 53 पव्वे देसी शराब ढोला मारू जब्त की है।

ठगों के जाल में फंसा युवक

जोधपुर, (कासं)। शहर के रामेश्वर नगर में रहने वाले मेडिकल लाइन से जुड़े एक युवक से शातिरों ने ठगी करते हुए 2.93 लाख रूपए ऐंठ लिए। धोखाधड़ी के शिकार युवक ने पहले सायबर पोर्टल पर शिकायत दी, मगर बाद में पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। पुलिस आयुक्तालय परिवाद भेजने पर भी केस दर्ज नहीं हुआ। अब पीड़ित ने कोर्ट की शरण लेकर मामला दर्ज करवाया है। भगत की कोठी थाना पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। मामला वर्ष 2023 का है।

मामले के अनुसार मूलत: पिंडवाडा के नादिया आरासना हाल डी- रामेश्वर नगर निवासी भरत प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि वह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव है। उसके पास में 15 सितंबर 2023 को वाट्सएप पर एक मैसेज आया और उसमें क्लिक किए जाने पर 150 रूपए मिलना बताया। तब उसके द्वारा मैसेज लिंक को क्लिक किए जाने पर पैसे मिले। बाद में यह रकम बढ़ती गई और उसे 1400 रूपए मिले। इसके बाद लिंक भेजने वालों ने उसे टेलीग्राम ऐप के एक ग्रुप से जोड़ा और अलग- अलग टॉस्क दिए जिसमें 2000 रूपए इंवेस्ट करने पर 2800 रूपए प्राप्त हुए। बाद में शातिर टास्क बढ़ाते गए और फिर अंत में 3.92 लाख को हासिल करने के लिए 78 हजार रूपए डालने का कहा गया। अन्यथा रकम को नहीं भेजने को बोला। पीड़ित ने अंतिम बार में 21 सितंबर 2023 को रूपए भेजे मगर उसके द्वारा जमा कराए गए 2 लाख 93 हजार 500 रूपए डूब गए।

अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर तोड़ 10 लाख का तांबे का तार चुराया

650 किलो पुराना व करीब 220 किलो नया तांबे का तार चोरी

हलैना/भरतपुर, (निसं)। नेशनल हाईवे के छौकरवाड़ा कला ओवरब्रिज के पास अज्ञात चोरों ने एक मोटर वाइंडिंग की दुकान में शटर तोड़कर करीब 10 लाख का तांबे का तार चुरा लिया। चोरों की वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हो गई। दुकानदार के पड़ौसी एवं कुछ लोगों ने दूरभाष पर दुकान के मालिक पूरन सिंह धाकड़ को दुकान की शटर खुली, सामान बिखरे एव चोरी होने की सूचना दी। सूचना पर मालिक के होश उड़ गए। उन्होंने नगला धाकड़ गांव से छोकरवाडा कला पहुंच खेड़ली मोड थाना के प्रभारी रामनिवास मीणा को चोरी हो जाने की जानकारी दी। सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी मीणा मय जाप्ता के आए और उन्होंने दुकान के अंदर, बाहर, आसपास के दुकान मकान, बस स्टैंड, बैंक आदि पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले।

- सूचना पर थाना प्रभारी मीणा मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी कैमरे खंगाले

चोरी की वारदात के बाद मौके पर लोग जमा हो गए।

दुकान मालिक पूरनसिंह धाकड़ ने बताया कि रोजाना की तरह देर शाम दुकान को लगाकर गांव चला जाता था। सुबह दुकान के पड़ोसी और लोगों ने फोन पर बताया कि दुकान की शटर आधी खुली हुई है और सामान बिखरा हुआ है। दुकान पर जाकर देखा तो भारी मात्रा में नया और पुराना तांबे का तार गायब मिला। दुकान में चोरी की सूचना जिला कंट्रोल रूम और खेड़ली मोड थाना को दी और दुकान में चोरी होने की भनक भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर थाना प्रभारी रामनिवास मीणा मय जाप्ता के आए और उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जिसमें तीन अज्ञात चोर चोरी करते स्पष्ट रूप से नजर आए। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोर करीब 650 किलो पुराना व करीब 220 किलो नया तांबे का तार चोरी कर ले जाने में सफल हो गए। चोरी गए माल की कीमत करीब 10 लाख रुपए है।

थाना प्रभारी रामनिवास मीणा ने बताया कि दुकान मालिक पूरन सिंह धाकड़ की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला गया। जिसमें तीन अज्ञात चोर चोरी करते हुए नजर आए। पुलिस ने नाकेबंदी कराई और कई गांव में दबिस दी लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लगा है। दुकान मालिक ने नया पुराना करीब 900 किलो तांबे का तार चोरी होना बताया है। जिसकी बाजार कीमत करीब 10 लाख रुपए है।

मॉडिफाइड बाइकों के साईलेंसर पर रोड रोलर चलाया

कोटा, (निसं)। यातायात पुलिस टीम ने गुरूवार को मोर्डिफाइड बाइक के जप्तशुद्धा 149 मोडिफाई साईलेंसरो पर रोड रोलर चलाकर नष्ट किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर शहर के अलग-अलग थाना पुलिस ने नाकाबंदी व वाहन चैकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए इस तरह के साईलेंसरों को जब्त किया था। अलग-अलग थानो की पुलिस टीम ने वाहन चैकिंग के दौरान ऐसे दुपहिया वाहनों को रोका जिनके साईलेंसर मोडिफाई होते हैं पुलिस ने उन साईलेंसरों को मौके पर खुलवाया और दूसरा साईलेंसर लगवाने के बाद वाहनों को रिलिज किया। यातायात पुलिस के पुलिस उपअधीक्षक अशोक ने बताया कि शहर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर पुलिस थानों की अलग-अलग टीमों ने कार्यवाही की थी। पुलिस ने 234 बाइक चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट में चालान बनाया। यातायात पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मोडिफाई साईलेंसर लगे हुए दुपहिया वाहन के चालकों द्वारा जानबूझकर तेज आवाज में फटाके के धमाके जैसी आवाज निकालते है जिससे कई बार सड़क दुर्घटना होने की संभावना रहती है। यातायात पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि यातायत पुलिस ने जब्त 149 मोडिफाई साईलेंसरों पर रोड रोलर चलवाया।

मॉडिफाई सांईलेंसरों को यातायात पुलिस ने नष्ट करवाया।

दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। शहर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने गुरूवार को सक्रिय अपराधियों के घरों पर दबिश देकर कार्यवाही को अंजाम दिया। दबिश के दौरान पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट में कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि नशीले पदार्थों की बिक्री व अपराधियों की धरपकड़ के लिये शहर पुलिस द्वारा ऑपरेशन नश्वर अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि दबिश के दौरान टीम ने कार्यवाही करते हुए एक जने से अवैध तेज धारदार छुर्रा बरामद किया। पुलिस टीम ने आर्म्स एक्ट में कार्यवाही करते हुए अजय आहुजा नगर थाना अनंतपुरा निवासी अमीर उर्फ प्रकाश सोनी (24) को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस टीम ने एक जने के पास से अवैध मादक पदार्थ 500 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में अजय आहुजा नगर अनंतपुरा निवासी सोनू संगत उर्फ सुनील (29) को गिरफ्तार किया।

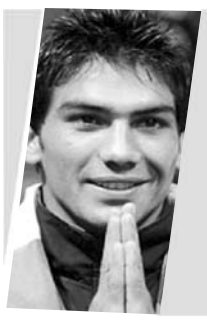

कुरूक्षेत्र में अपने बड़े भाई और कोच राजेश कुमार के साथ बनाई गई मुक्केबाजी अकादमी में कोचिंग दूंगा।

- मनोज कुमार

भारतीय मुक्केबाज, कोच के तौर पर नई पारी की शुरुआत को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दलीप सिंह

रेसलर दलीप सिंह प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने संगम में डुबकी लगाई। भारतीय रेसलर ने इस दौरान कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, मैं पहली बार यहां आया हूं, योगी द्वारा व्यवस्थाएं सराहनीय हैं और महाकुंभी में यहां की भीड़ पूरी दुनिया के लिए एक इतिहास है। हालांकि, जब खली संगम में डुबकी लगा रहे थे तो इस दौरान उन्हें कई फैंस ने घेर लिया और साथ में सेल्फी लेने की मांग करने लगे। वहीं खली ने अपने इंस्टाठााम अकाउंट से वीडियो शेयर किया है। बुधवार को रेसलर दलीप सिंह ने प्रयागराज पहुंचकर महाकुंभ में डुबकी लगाई।

क्या आप जानते हैं ?... 67 साल पहले डॉन ब्रैडमैन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो गए थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी औसत का उनका रिकॉर्ड आज तक कोई नहीं तोड़ पाया।

राजस्थान-आंध्रा रणजी मैच राजस्थान के अभिजीत तोमर व मानव सुथार के अर्द्धशतक

जयपुर, 30 जनवरी। विजियनग्राम में आज से शुरू हुए राजस्थान-आंध्रा रणजी मैच के पहले दिन राजस्थान के अभिजीत तोमर व मानव सुथार ने राजस्थान की पहली पारी में शानदार अर्धशतक लगाए। राजस्थान पहली पारी 258 आल आउट, पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने अपनी पहली पारी में अभिजीत तोमर व मानव सुथार की अर्धशतकीय पारियों की सहायता से 258 रनो का स्कोर बनाया। अभिजीत तोमर 94 रन 188 गेंद (1 छक्का व 11 चोक्के), मानव सुथार 54 रन 104 गेंद (8 चोक्के) , अराफातखान नाबाद 28, राम मोहन चौहान 22, कार्तिक शर्मा 13, अजय कुकना 12, शुभम गढ़वाल 10 रनो का योगदान दिया।आंध्रा के गेंदबाज त्रिपुर्णाविजय 62/5, राजू 72/2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन का समाप्त होने तक आंध्रा नेअपनी पहली पारी बिना किसी नुकसान के 49 रन बना लिए थे। आंध्रा पहली पारी 49/0

27वीं नवीन-नफीस इनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता 5 फरवरी से

जयपुर, 30 जनवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 05 फरवरी, 2025 से किया जाएगा। प्रतियोगिता में पिछले विजेता अरावली क्रिकेट क्लब उपविजेता पी.एस. क्रिकेट एकेडमी सहित जयपुर की सभी प्रमुख टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी जिसमें विजेता को 25 हजार रूपये नगद व ट्रॉफी उपविजेता को 15 हजार रूपये नगद व ट्रॉफी मैन ऑफ दी टूर्नामेन्ट को 2500/- रूपये नगद, बेस्ट बेट्समेन को 1500/- रूपये नगद, बेस्ट 1500/- रूपये नगद, बेस्ट फील्डर 1500/- रूपये नगद तथा प्रत्येक मैच में मैन ऑफ दी मैच का पुरूस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में 5-5 टीमों के पूल बनाए जाएंगे जिसमें लीग आधार पर मैचों के बाद प्रत्येक पूल से प्रथम 4 स्थान पर रहने वाली टीमें नॉकआउट में प्रवेश कर लेंगी जिसमें पूर्व क्वार्टर फाईनल तक के सभी मैच 20-20 ओवरों के खेले जाएंगे। क्वार्टर फाईनल व सेमी फाईनल मैच 40-40 ओवरों के होंगे तथा फाईनल मैच में 40-40 ओवरों के 3 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की प्रविष्टियां सचिव सलीम खान (मो. 9829244509) को 04 फरवरी, 2025 तक दी जा सकेगी।

नेशनल गेम्स के दूसरे दिन के मुकाबले में राजस्थान वूशु टीम ने किए 4 पदक पक्के

जयपुर, 30 जनवरी। राजस्थान वुशू टीम ने गुरुवार को खेलें गए मुकाबलो मे शानदार प्रदर्शन किया। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने बताया कि पुरुष वर्ग मे 48 मे देवराज सिंह, 75 मे शुभम गोरा, 80 मे विकास यादव नें क़्वार्टर फ़ाइनल मुकाबलो मे जीत दर्ज कर सेमीफइनल मे पहुंच कर पदक पक्के किये। भारतीय वुशू टीम के कोच राजेश कुमार टेलर नें आगे के मुकाबलों के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

राज्य स्तरीय अंडर-14 यूथ कप अरावली क्लब की टीम 207 रन पर सिमटी

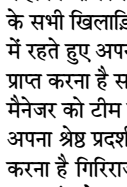

जयपुर, 30 जनवरी। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज से खेले गए 2 दिवसीय फाइनल मैच में अरावली क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अंश यादव के 92 रन (187 गेंद, 15 चौके), शिवांक गुप्ता के 45 रन व परम सिंह के 21 रनों से 67.4 ओवर में 207 रन बनाकर आउट हुई। के एल सैनी एकेडमी के लिए रमन चौधरी ने 38 पर 3, सुमित चौधरी ने 30 पर 2, कार्तिक माहेश्वरी ने 43 पर 2, भावेश भगेल, मितुल सैनी व श्रेष्ठ आर्य ने 1-1 विकेट लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक के एल सैनी एकेडमी ने 22 ओवर में 2 विकेट पर 48 रन बना लिए थे। कनिष्क 13 रन व रमन चौधरी 25 रन पर नाबाद बल्लेबाजी कर रहे है। अरावली क्लब के लिए रजत ने 13 पर 2 विकेट लिए।

गिरिराज खंडेलवाल देहरादून के लिए हुए रवाना

जयपुर, 30 जनवरी। 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित होने वाले आगामी 38वें राष्ट्रीय खेलों के भाग वाले लिए राजस्थान दल के साथ जयपुर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गिरिराज खंडेलवाल कमपेनिअन के रूप में जा रहे है राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने राजस्थान ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष अरुण सारस्वत के साथ गिरिराज खंडेलवाल को कंपेनियन का कार्य सौंपा है, उन्होंने कहा कि राजस्थान ओलंपिक संघ के नेतृत्व में दल के सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेलो मे अनुशासन में रहते हुए अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए मेडल प्राप्त करना है साथ ही सभी टीम कोच एवं मैनेजर को टीम के साथ संपूर्ण समन्वय बनाकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर राजस्थान का नाम रोशन करना है गिरिराज खंडेलवाल ने बताया कि उत्तराखंड के सात शहर जिनमे देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, हल्द्वानी,रुद्रपुर, शिवपुरी और नई टिहरी में 32 विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं होगी जिनमे करीब दस हज़ार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

चौथे टी-20 में टीम इंडिया को इंग्लैंड से मिलेगी कड़ी टक्कर

पुणे में आसान नहीं होगी जीत

पुणे, 30 जनवरी। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार, 31 जनवरी को चौथा टी20 मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया इस मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। हालांकि, पुणे में खेले जाने वाले चौथे टी20 में टीम इंडिया को इंग्लैंड से कड़ी टक्कर मिलनी वाली है। इससे पहले राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 में भारत को 36 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। फिलहाल, पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत 2-1 से आगे है।

वहीं चौथे टेस्ट से पहले सबसे बड़ा सवाल ये है कि प्लेइंग इलेवन में किसे मौका मिलेगा। क्योंकि रिंकू सिंह के चोटिल होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सात नंबर पर मौका दिया गया था। जुरेल दूसरे और तीसरे टी20 में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन दोनों ही मौकों पर वह फेल हुए। ऐसे में कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने बड़ा सवाल ये है कि क्या ध्रुव जुरेल पर फिर से भरोसा किया जा सकता है।साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं है।

तेज रफ्तार के सामने संजू की कमजोरी साफ दिख रही है। सैमसन की खराब फॉर्म चौथे टी20 मैच से पहले भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता का सबब होगा। मौजूदा सीरीज में उनका स्कोर 26,05 और 03 रहा है, जो चिंता की बात है। वह 145 किमी की रफ्तार से ज्यादा गेंदों का सामना नहीं कर पा रहे हैं। इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड 145 से 155 किमी की रफ्तार से गेंद डालते हैं जिनकी गति सैमसन के लिए परेशानी का कारण बन गई है।रिंकू सिंह की कमर की तकलीफ के कारण सातवें नंबर पर ध्रुव जुरेल को उतारा गया, लेकिन वह इस फॉर्मट में फिट नहीं हो पा रहे। ऐसे में कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव को सोचना होगा कि क्या अब रमनदीप सिंह को मौका देना चाहिए। रमनदीप सिंह एक फिनिशर होने के साथ बेहतर तेज गेंदबाज हैं।

वहीं मिडिल ऑर्डर भारत के लिए बड़ा परेशानी का सबब बना हुआ है। भारत का मिडिल ऑर्डर इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल रशीद का सामना नहीं कर पा रहा है। वहीं शिवम दुबे, जिन्हें नितीश रेड्डी के चोटिल होने पर टीम में जगह मिली है, उन्हें मौका देना बनता है। दुबे स्पिन के सामने बड़े छक्के लगाने में माहिर हैं। ऐसे में अब ये देखना दिलचस्प होगा कि दुबे को मौका मिलता है या नहीं। साथ ही तीसरे टी20 में लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को रेस्ट दिया गया था। नतीजन टीम इंडिया को हार झेलनी पड़ी। ऐसे में अब एक सवाल ये भी है कि क्या अर्शदीप सिंह को मोहम्मद शमी की जगह वापस लाया जाए। मोहम्मद शमी काफी समय बाद टीम में लौटे हैं और राजकोट में उन्होंने अच्छी वापसी की है।

टीमें : भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रमनदीप सिंह, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल। **इंग्लैंड :** जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिलिप साल्ट, मार्क वुड।

चैम्पियंस ट्रॉफी की ओपनिंग सेरेमनी 16 को लाहौर में, पाक करेगा भव्य आयोजन

नई दिल्ली, 30 जनवरी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की ओपनिंग सेरेमनी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आईसीसी के साथ मिलकर 16 फरवरी को लाहौर में आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन करेगा। पीसीबी के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि चेयरमैन मोहसिन नकवी ने 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले कार्यक्रमों की एक निर्धारित सूची को मंजूरी दे दी है। पीसीबी 7 फरवरी को पुनर्निर्मित गद्दाफी स्टेडियम का आधिकारिक रूप से उद्घाटन करेगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उद्घाटन समारोह ऐतिहासिक लाहौर किले के हुजूरी बाग में तय किया गया है जिसमें विभिन्न बोर्डों के अधिकारी, मशहूर हस्तियां, खेल के दिग्गज और सरकारी अधिकारी आमंत्रित किए जाएंगे। आईसीसी और पीसीबी ने अभी तक पुष्टि नहीं की है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा प्रेस कॉन्फ्रेंस और फोटोशूट के लिए लाहौर जाएंगे या नहीं। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगा। वहीं अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला भी 9 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात के शहर में ही खेला जाएगा।

उस्मान ख्वाजा ने श्रीलंका के खिलाफ जड़ा दोहरा शतक

ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने

गाले, 30 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने श्रीलंका के खिलाफ 232 रन की बेहतरीन पारी खेली। ख्वाजा ने अपने इस प्रदर्शन से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। क्योंकि इससे पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की पांच पारियों में ख्वाजा कुल 184 रन ही बना पाए थे। जिससे उनकी काफी आलोचना हुई। वहीं अब उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ इतिहास रच दिया। बीजीटी में 10 पारियों में 200 रन भी नहीं बनाने वाले ख्वाजा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की पहली पारी में ही दोहरा शतक जड़ दिया।

वे ऑस्ट्रेलिाय के लिए श्रीलंका में टेस्ट क्रिकेट में डबल सेंचुरी लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपनी डूबती नैया को भी पार लगाई।स्मान ख्वाजा ने 290 गेंदों में 16 चौके और एक छक्के की मदद से अपना दोहरा शतक पूरा किया, जो टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला दोहरा शतक है।

इस मैच में ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करने वाले उस्मान ख्वाजा पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी बेहतरीन लय में नजर आए। बीजीटी में उस्मान ख्वाजा पहले तीन मैचों में बुरी तरह फेल रहे थे। हालांकि, आखिरी दो मैचों में उन्होंने कुछ रन बनाए थे, लेकिन फिर भी पूरी सीरीज में उनके 200 रन नहीं थे। उन्होंने 5 मैचों की 10 पारियों में कुल 184 रन बनाए थे उसका औसत 20.44 का था।

एफआईएच प्रो. लीग हॉकी इंडिया के संभावित खिलाड़ियों में कई नये चेहरे

नई दिल्ली, 30 जनवरी। भारत ने आगामी एफआईएच प्रो लीग के लिये चुने गए संभावित खिलाड़ियों में छह से अधिक युवाओं को हॉकी इंडिया लीग और जूनियर स्तर पर उनके प्रदर्शन के आधार पर मौका दिया है। हॉकी इंडिया द्वारा घोषित 32 खिलाड़ियों की सूची में पहली बार जगह पाने वाले गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह, डिफेंडर यशदीप सिवाच, मिडफील्डर रबिचंद्र सिंह और राजिंदर सिंह और फॉरवर्ड अंगदबीर सिंह, उत्तम सिंह और अर्शदीप सिंह शामिल हैं। टीम की कमान अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के हाथ में होगी जबकि हार्दिक सिंह उपकप्तान होंगे।

एफआईएच प्रो लीग का भुवनेश्वर चरण 15 से 25 फरवरी तक खेला जायेगा। भारत को स्पेन, जर्मनी, आयरलैंड और इंग्लैंड से दो दो मैच खेलने हैं। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा ,'' जूनियर टीम में और हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन से 22 वर्ष के अंगद बीर सिंह और 20 वर्ष के अर्शदीप सिंह को पहली बार एफआईएच प्रो लीग के मैचों के लिये सीनियर टीम में चुना गया है।'' पिछले साल मस्कट में जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में रहे प्रिंसदीप भी सीनियर टीम के संभावित खिलाड़ियों में पहली बार चुने गए हैं।

कोहली की सुरक्षा में बड़ी चूक, फैन गौतम गंभीर स्टैंड से कूदकर मैदान पर पहुंचा

नई दिल्ली, 30 जनवरी। रणजी ट्रॉफी में दिल्ली वर्सेस रेलवे के मैच के दौरान विराट कोहली की सुरक्षा में चूक हुई है। दरअसल, विराट कोहली 20 जनवरी को करीब 13 साल बाद रणजी ट्रॉफी मैच में खेलने के लिए उतरे। दिल्ली के कप्तान आयुष बदोनी ने टॉस जीकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उनका ये फैसला सही साबित हुआ। रेलवे की शुरुआत खराब रही। उसने 37 गेंद के भीतर सिर्फ 21 रन के स्कोर पर अपने 3 विकेट गंवा दिए। इसके बाद मैदान पर एक ऐसी घटना घटी, जिसने सबको हैरान कर दिया साथ ही अरुण जेटली स्टेडियम की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े किए हैं।

राजस्थान बैडमिंटन टीम सेमीफाइनल में 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड

जयपुर, 30 जनवरी। देहरादून में आयोजित 29.01.2025 से 04.02.2025 तक आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान बैडमिंटन टीम ने पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा ने बताया कि राजस्थान ने अरूणाचल प्रदेश को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची राजस्थान बैडमिंटन टीम का सेमीफाइनल मुकाबला कल उत्तराखंड से होगा। नेशनल गेम में पहली बार क्वालीफाई हुई टीम ने अच्छा खेल का प्रदर्शन करते हुए अच्छे खेल परिचय दिया। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री एवं राजस्थान बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह शेखावत ने टीम व तकनीकी अधिकारियों को बधाई दी। राजस्थान टीम मेनेजर जाकिर हुसैन ने बताया कि टीम में खिलाड़ी संस्कार सारस्वत, प्रणय कट्टा, मनीष फोगट, मोहम्मद अमान, आर्यन त्यागी, वंश शर्मा शर्मा, मुरली शर्मा, जाग्रत बिनानी, जंगजीत सिंह काजला, राज शुक्ला टीम कोच यादवेन्द्र सिंह शेखावत व चांद चावत टीम के साथ उपस्थित थे।

इंग्लैंड को सस्ते में समेट कर ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की अच्छी शुरुआत

मेलबर्न, 30 जनवरी। अलाना किंग (चार विकेट), किम गार्थ और डार्सी ब्राउन (दो-दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 24) और फीबी लिचफील्ड (नाबाद 20) रनों की पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैड को 170 रन में समेट कर आस्ट्रेलिया महिला टीम ने एकमात्र टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड खिलाफ एक विकेट पर 56 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की, हालांकि वह अभी इंग्लैंड के स्कोर से 114 रन से पीछे है।

इंग्लैंड के 170 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने सातवें ओवर में जॉर्जिया वॉल (12) का विकेट गवां दिया था। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 56 रन बना लिये है और ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 24) और फीबी लिचफील्ड (नाबाद 20) क्रीज पर मौजूद थी। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने एक विकेट लिया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया।

इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब की आसान जीत

जयपुर, 30 जनवरी। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज श्री हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज में खेले गये मुकाबले में हर्ष सैनी 27 रन पर 5 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा मनन सिंह नाबाद 71 रन तथा सचिन चौधरी 58 रन नाबाद के अद्धर्शतकों की मदद से इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने नागौर बुल्स को 8 विकेट से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर नागौर बुल्स ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन रक्षित लुणावत 44 रन, प्रियांशु यादव 32 रन, यश चौधरी 26 रन नॉटआउट, परिक्षित शर्मा 21 रन तथा नवीन बिश्नोई 20 रन को छोड़कर नागौर का कोई भी बल्लेबाज हर्ष सैनी 7.4 ओवर 1 मेडेन 27 रन 5 विकेट, अभिषेक वर्मा 43 रन पर 2 विकेट, मोहित भगतानी 33 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष लम्बी पारी खेलने में विफल रहे और 39.4 ओवरों में नागौर बुल्स की पूरी टीम 173 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी में मनन सिंह 71 रन नाबाद (102 गेंद 10 चौके, 1 छक्का), मोहित भगतानी 29 रन तथा सचिन चौधरी 58 रन नाबाद (62 गेंद 8 चौके, 2 छक्के) की मदद से विजय लक्ष्य 34.4 ओवरों में 2 विकेट खोकर 174 रन बनाकर हासिल कर अपनी टीम को 8 विकेट से आसान जीत दिलाकर अगले राउण्ड में पंहुचा दिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच हर्ष सैनी 27 रन पर 5 विकेट इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब रहे।

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग

आरसीए पूर्व रणजी खिलाड़ियों को पेंशन स्कीम फिर से, खिलाड़ियों का सम्मान और आरसीए पैनल के अंपायर-स्कोरर की मैच की फीस में बढ़ोतरी

जयपुर, 30 जनवरी। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी की अध्यक्षता में आज दोपहर 1 :00 आरसीए अकादमी पारी एडहॉक कमेटी की मीटिंग संपन्न हुई। जयदीप बिहाणी ने अवसर पर कहा की आरसीए एडहॉक कमेटी का जब से गठन हुआ है उसके सभी सदस्यों का एकमात्र उद्देश्य राज्य में क्रिकेट का विकास सहित राज्य के युवा खिलाडियों को हर स्तर पर उच्च स्तरीय खेल सुविधाओं को उपलब्ध कराने की रही है जिसमे उन्हें कमेटी के सभी सदस्यों विमल शर्मा, धर्मवीर सिंह शेखावत, रतन सिंह, हरीशचंद्र सिंह व धनंजय सिंह खींवसर का हर स्तर पर सहयोग व मूल्यवान सुझाव प्राप्त होते रहे हैं जिसके लिए वे उनके आभारी हैं। एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहानी ने विशेष रूप से राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार व्यक्त किया की उनकी मांश राज्य के हर जिलों में युवाओं को हर स्तर पर खेल सुविधाएं उच्च स्तर पर प्राप्त हो। राज्यके कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर का मार्गदर्शन व सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। बिहाणी ने बताया की आज आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग मे मुख्य रूप से आरसीए द्वारा घरेलु क्रिकेट सत्र 2025-25 के सफल आयोजन की समस्त गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट पेश की गयी जिसका सभी सदस्यों से स्वागत किया। उन्होंने बताया की मीटिंग में विशेष रूप से सभी सदस्यों ने आरसीए पैनल के 2 अंपायर के गत दिनों आकस्मिक निधन से उनके परिवार को ढांढस बढ़ाते हुए उनके सहयोग राशि के रूप में आरसीए द्वारा प्रत्येक अंपायर के परिवार को 1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया गया। बिहाणी के अनुसार मीटिंग में आगामी मई माह से राजस्थान क्रिकेट संघ की प्रीतयोगिताओं के आयोजन पर भी चर्चा की गयी। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर ने इस अवसर पर बताया की मीटिंग में घरेलू प्रतियोगिताओं के विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई जिसमे आरसीए पैनल के अंपायर स्कोरर की मैच फ़ीस को जो पिछले काफी समय से बढ़ाने की मांग की जा रही थी को, प्रति मैच फ़ीस 2000 से बढाकर 3000 करने का निर्णय लिया गया साथ ही मीटिंग में सभी सदस्यों ने क्रिकेट सत्र 2024-25 की सभी आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का सम्मान करने का भी निर्णय लिया गया। आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा शानदार प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों के आरसीए अवार्ड प्रक्रिया व समारोह हेतु 3 सदस्य कमेटी का गठन किया गया जिसके सदस्य रतन सिंह शेखावत , विमल शर्मा व हरीश चंद्र सिंह होंगे। एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने इस अवसर पर बताया की मीटिंग में सभी सदस्यों ने राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व रिटायर्ड रणजी खिलाडियों की पेंशन स्कीमको फिर से शुरू करने का निर्णय लिया जिससे राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व रणजी खिलाडियों व उनके परिवार को मासिक आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

// जयपुर पोलो सीजन 2025, राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (6 गोल) //

शमशीर अली, नवीन सिंह, विशाल चौहान, सिद्धांत शर्मा, शेरगिल ने 3-3 और ध्रुवपाल ने 4 गोल किये

जयपुर, 30 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025, राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल) में आज चार मैच खेले गए। जिनमे तीन मैच कैवेलरी ग्राउंड पर और एक मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर खेला गया। कैवेलरी ग्राउंड पर पहला मैच मेफेयर/चांदना बनाम आर्मी रेड के बीच 11 बजे खेला गया जिनमे आर्मी रेड ने मेफेयर/चांदना को 7.5-7 से हराया। आर्मी रेड ढ़ाई गोल का एडवांटेज लिए हुए खेल रही थी। आर्मी रेड की ओर से रविन्द्र मांग और मृत्यंजय ने 1-1, लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान ने 3 गोल किये। मेफेयर/चांदना की ओर से सिद्धांत शर्मा ओर सिमरन शेरगिल ने 3-3 गोल किये। जबकि अशोक चांदना ने एक गोल किया।

कैवेलरी ग्राउंड पर दूसरा मैच बेंगलोर ग्रेज बनाम आर्मी ग्रीन के बीच 1 बजे खेला गया जिनमे आर्मी ग्रीन को बेंगलोर ग्रेज ने 12-4 से हराया। आर्मी ग्रीन दो गोल का एडवांटेज लिए हुए खेल रही थी। आर्मी ग्रीन की ओर से केवल एलेन शॉन ही 2 गोल कर पाए। बेंगलोर ग्रेज की ओर से विश्वरूप ने बेहतरीन खेल का नज़ारा पेश करते हुए 6 गोल किये, शमशीर अली और नवीन सिंह ने भी 3-3 गोल किये। वही तीसरा मैच जयपुर बनाम सुजान इंडियन टाईगर्स के बीच कैवेलरी ग्राउंड पर दोपहर 2.30 बजे खेला गया। सुजान इंडियन टाईगर्स और जयपुर 2-2 से बराबर रहे। जयपुर की ओर से वाटसन ओर महाराज पदमनाभ सिंह ने 1-1 गोल किये। सुजान इंडियन टाईगर्स की ओर से केवल अंगद कलान ही 2 गोल कर पाए।

चौथा मैच वीपोलो ओर डेल्टा पोलो के बीच रामबाग पोलो ग्राउंड पर 4 बजे खेला गया जिसमें वीपोलो को डेल्टा पोलो ने 6-3 से पराजित किया। डेल्टा पोलो की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 4 ओर सेंटिआगो मोरामबीओ ने 2 गोल कर अपनी टीम की जीत निश्चित की। वही वीपोलो की ओर से हुर्र अली ने 1 ओर गोजालो यनजोन ने 2 गोल किये पर अपनी टीम की हार नही टाल पाए।

'चुनाव में किये 50 से 55 प्रतिशत वादे एक साल में पूरे किये'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, सदन में नये विधायकों को मौका मिलेगा व सीनियर विधायकों के अनुभव का उपयोग होगा

- भाजपा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री ने विधायकों को सरकार की उपलब्धियाँ सदन में मजबूती से रखने के लिये कहा।
- विधायक दल की बैठक में प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे में हुई श्रृद्धालुओं की मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखा गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता की। । विधायकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जयपुर, 30 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र के 50 से 55 प्रतिशत वादे पूरे कर चुकी है। हमने किसान, महिला, युवा एवं मजदूर सहित हर वर्ग के लिए काम किए हैं तथा इतने कम समय में सभी काम धरातल पर उतर भी रहे हैं। शर्मा ने गुरुवार को भाजपा विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता की। विधायकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एक वर्ष का परफॉर्मेंस अच्छा रहा है। ऐसे में, विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार की इन सभी उपलब्धियों को सदन में मजबूती के साथ रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान की प्राथमिकताओं को समझते हुए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जहां संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णय लिए गए हैं, वहीं, बिजली की निर्बाध आपूर्ति तथा किसानों को दिन में बिजली देने के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य में ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर निवेश लाया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि नए विधायकों को सदन में पूरा मौका मिले तथा सीनियर विधायकों के अनुभव का उपयोग करते हुए वे सदन की स्वस्थ परम्पराएं कायम रखें। मुख्यमंत्री ने विधायकों से विधानसभा में अपनी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और सदन में सरकार के निर्णयों को मजबूती से रखने की अपील की तथा विधानसभा के नियम-प्रक्रियाओं के समुचित अध्ययन सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि भजनलाल सरकार आमजन की सरकार है। विकास पुरूष मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में राजस्थान नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है तथा राज्य सरकार के लिए राज्य का विकास ही सबसे ऊपर है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित, मंत्रीगण एवं भाजपा के सभी विधायक उपस्थित रहे। बैठक में प्रयागराज महाकुम्भ में हुए हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिये जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली, 30 जनवरी। प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ मामले में उत्तर प्रदेश सरकार पर "चूक, लापरवाही और प्रशासन की पूर्ण विफलता" का आरोप लगाते हुए, उच्चतम न्यायालय में गुरुवार को एक जनहित दायर की गई। याचिकाकर्ता अधिवक्ता विशाल तिवारी ने सभी राज्य सरकारों को महाकुंभ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देने की शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है। महाकुंभ में गत 29 जनवरी की रात मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई और 60 अन्य के घायल हो गए थे।

अधिवक्ता तिवारी की याचिका में घटना पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देने और अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ उनकी लापरवाही के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

- अधिवक्ता विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सभी राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की है।

तिवारी ने अपनी याचिका में कहा कि भगदड़ सरकारी अधिकारियों की चूक, लापरवाही और प्रशासन की पूरी तरह विफलता के कारण लोगों की खराब स्थिति और भाग्य को दर्शाती है।

जनहित याचिका में दावा किया गया है कि जब भी ऐसी घटनाएं होती हैं तो ज्यादातर आम और गरीब लोग ही इसके शिकार बनते हैं। किसी भी कार्यक्रम या समारोह में जाने वाले अति विशिष्ट लोगों के लिए अलग से व्यवस्था की जाती है।

यहां तक कि किसी अधिकारी, राजनेता या अति विशिष्ट व्यक्ति के गुजरने पर आम लोगों की आवाजाही भी रोक दी जाती है।

विमान-हैलिकॉप्टर टक्कर में 60 मरे

वॉशिंगटन में बुधवार को अमरीकी एयरलाइन्स का विमान हवा में सेना के हैलिकॉप्टर से टकरा गया था

- अधिकारियों के अनुसार विमान में 60 यात्री व 4 चालक दल सदस्य थे। हादसे में किसी के भी जीवित बचे होने की उम्मीद नहीं है। अब तक 28 शव मिल चुके हैं। सेना के हैलिकॉप्टर में तीन लोग सवार थे।

वाशिंगटन, 30 जनवरी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में रीगन नेशनल एयरपोर्ट के पास बुधवार रात को हुये विमान हादसे में किसी के जीवत बचे होने की उम्मीदें धूमिल हो गयी हैं। अमेरिकी एयरलाइंस के यात्री विमान के उतरते समय सेना के ब्लैकहॉक हेलिकॉप्टर से हवा में टकराने से हुई दुर्घटना के बाद, अब तक 28 लोगों के शव बरामद हुये हैं। यह दुर्घटना पोटोमैक नदी के ऊपर हुई और दोनों वायुयानों का मलवा नदी में गिर गया था। बीबीसी की एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि खोज और बचाव दलों को अब तक 28 लोगों के शव मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, किसी यात्री के बचे होने की उम्मीद कम है।

अधिकारियों का कहना है कि वाशिंगटन डीसी की पोटोमैक नदी के ऊपर यात्री विमान और ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर के आसमान में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद किसी के भी जीवित बचने की उम्मीद पूरी तरह से धूमिल हो गयी है। उन्होंने कहा कि जब विमान रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट टकराया, उस समय विमान में 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे तथा सैन्य हेलीकॉप्टर में तीन लोग सवार थे।

आपातकालीन सेवा प्रमुख जॉन डोनेली ने बताया कि अब तक 28 शव बरामद किए जा चुके हैं। परिवहन सचिव सीन डफी ने कहा कि आसमान साफ था और पायलट भी अनुभवी थे, पर वहां 'जरुर कुछ हुआ', जिससे दोनों वायुयान आपस में टकरा गये थे।

उन्होंने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है सैन्य हेलीकॉप्टर विमानों के निर्धारित रास्ते पर कैसे उड़ रहा था। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सवाल किया कि हेलीकॉप्टर ऊपर या नीचे क्यों नहीं उड़ रहा था या उसके पायलट ने विमान को आते देखकर अपना मार्ग क्यों नहीं बदला।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि पेंटागन स्थिति पर सक्रिय रूप से निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए तैयार है।

अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन ने बताया कि हवा में टक्कर कल रात करीब नौ बजे हुई। विमान, कंसास के विचिटा हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

'सर्दी से मरने वालों की रिपोर्ट एक सप्ताह में दें'

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। भारतीय मानवाधिकार आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी में इस बार सर्दी के मौसम में 56 दिनों के भीतर 474 बेघर व्यक्तियों की कथित मौत की रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लेते हुए, दिल्ली के मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को नोटिस भेज कर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। आयोग की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्त में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि आयोग ने इस संबंध में मीडिया की एक रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लिया, जिसमें बेघर लोगों के साथ काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) के हवाले से कहा गया है कि राजधानी में इस सर्दी के मौसम में 56 दिनों के भीतर लगभग 474 लोगों की जान चली गई है। रिपोर्ट के अनुसार, ये मौतें 15 दिसंबर, 2024 से 10 जनवरी, 2025 के बीच हुई हैं, क्योंकि गर्म कपड़े, कंबल और पर्याप्त आश्रय जैसे आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों की अनुपलब्धता है। गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के कथित दावे के अनुसार, दिल्ली में लगभग 80 प्रतिशत अज्ञात शव बेघर व्यक्तियों के हैं।

'हिन्दुस्तान का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दुनिया को पीछे छोड़ने वाली आर्थिक ग्रोथ के बावजूद, भारत का रोजगार-बाज़ार अपनी विशाल युवा जनसंख्या को नियमित वेतन प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं करा पा रहा है।

पिछले बजट में, भारत ने रोजगार पैदा करने वाली विभिन्न योजनाओं पर पाँच साल में 24 अरब डॉलर खर्च करने के लिये रखे थे, लेकिन वे योजनाएं अभी तक क्रियान्वित नहीं हो पाई हैं, अभी उन पर विस्तृत चर्चाएं ही हो रही हैं।

चीन का नया एआई ऐप "डीपसीक"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया था। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) ने भारतीय बलों को हराया और भारतीय क्षेत्र में अंदर तक घुस गए।

यह संघर्ष पश्चिमी क्षेत्र में अक्साई चिन और पूर्व क्षेत्र में अरुणाचल प्रदेश (तत्कालीन नेफा) को लेकर विवादों से उत्पन्न हुआ था। चीन ने दोनों क्षेत्रों को अपनी भूमि का हिस्सा बताया, जबकि भारत ने इन्हें ऐतिहासिक समझौतों के आधार पर अपनी संपत्ति बताया।

हालिया मानचित्र और डिजिटल टूल्स, जो चीन के प्रभाव में तैयार किए गए हैं, तवांग और भारत के अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों के हिस्सों पर चीन के दावे को मजबूत करते रहते हैं।

ऐतिहासिक घटनाओं, जैसे 1962 के भारत-चीन युद्ध, के चारों ओर विकसित हो रहे एआई निर्देशित नैरेटिव, चीन द्वारा घरेलू और वैश्विक, दोनों क्षेत्रों में सूचनाओं पर नियंत्रण स्थापित करने का एक रणनीतिक प्रयास हैं।

डीपसीक एआई की इतिहास की पुन: व्याख्या एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें देश, जनरेटिव एआई मॉडलों का उपयोग करके राजनीतिक नैरेटिव्ज़ को मजबूत करते हैं। चीन द्वारा 1962 के युद्ध को "आवश्यक रक्षात्मक कार्रवाई" के रूप में प्रस्तुत करना वर्तमान भूराजनीतिक रणनीति में फिट बैठता है, जिसका उद्देश्य भारतीय सीमा पर अपनी आक्रामक मुद्रा को न्यायोचित ठहराना है। भारत को उकसाने वाला बताते हुए, डीपसीक चीन की भूमिका के अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण को फिर से आकार देने की कोशिश करता है। एआई द्वारा जैनरेट की गई सामग्री में दलाई लामा के 1959 में भारत भागने और उसके बाद भारत में शरण लेने को एक ऐसी महत्वपूर्ण घटना करार दिया है, जिसके कारण चीन को अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए मजबूर होना पड़ा। चीन द्वारा अचानक किए गए सैन्य आक्रमणों और क्रूर युद्धों को कम करके दिखाया गया है, जिनकी वजह से भारत को भारी सामरिक झटके लगे थे। जहाँ तक वास्तविक दुनिया में इसके प्रभावों का सवाल है, एआई-निर्मित आख्यान (नैरेटिव) संवदेनशील सीमा वार्ताओं के दौरान तनाव बढ़ा सकते हैं। डिजिटल युग में ऐसी सामग्री जनमत और नीति निर्माण को प्रभावित कर सकती है और इससे भी ज्यादा, इतिहास को पुन: लिखने के प्रयास देशों को क्षेत्रों पर अपने दावे करने के लिए हिम्मत देते हैं तथा भावी घुसपैठ को उचित ठहराते हैं।

भारत ने अब इस संभावना को "सार्वजनिक बहस" का आकार देने में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करना शुरु कर दिया है, विशेषकर महत्वपूर्ण भूराजनीतिक मुद्दों पर। घरेलू एआई क्षमताओं, काउंटर-नैरेटिव रणनीतियों और डिजिटल साक्षरता अभियानों को मजबूत करना देशों द्वारा प्रायोजित मिथ्या जानकारी के प्रभाव को नष्ट करने के लिए महत्पूर्ण है।

डीपसीक के एआई एप्लिकेशनों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता ने तकनीकी उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, जिसके कारण एनविडीया जैसी कंपनियों की मार्केट वैल्यू काफी गिर गई है।

हालाँकि, डीपसीक के एआई एप्लिकेशनों को तेजी से अपनाए जाने के कारण डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह ऐप यूज़र डेटा को चीन में संग्रहीत करता है, जिससे चीनी सरकार द्वारा यूज़र के डेटा के शोषण का खतरा हो सकता है। इसके अलावा, डीपसीक द्वारा चीनी सैंसरशिप कानूनों का पालन करने से मिथ्या जानकारी तथा दुष्प्रचार को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

महाकुंभ नगर नो व्हीकल ज़ोन घोषित, प्रयागराज में सिर्फ दुपहिया वाहनों को अनुमति

बुधवार के हादसे के बाद राज्य सरकार ने कई सख्त कदम उठाए

- प्रयागराज की 8 सीमाओं को सील कर दिया है ताकि भीड़ नियंत्रण में मदद मिल सके। राज्य सरकार ने सभी वीआईपी पास रद्द कर दिए तथा कहा कि वीआईपी मूवमैंट की सूचना एक सप्ताह पहले उपलब्ध करानी होगी।
- अभी बसंत पंचमी, महाविशरात्रि और माघी पूर्णिमा का महास्नान होना है और इन अवसरों पर भी भारी भीड़ जुटने का अनुमान है।
- बुधवार के हादसे के बाद गुरुवार को भी श्रद्धालुओं का आना लगातार जारी है। गुरुवार को शाम तक 1.77 करोड़ लोगों ने संगम में स्नान किया।

महाकुम्भनगर, 30 जनवरी। महाकुंभ में मंगलवार 29 जनवरी को देर रात हुई भगदड़ में मौतों के बाद मेला क्षेत्र में सख्ती बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने कड़े कदम उठाते हुए बड़े बदलाव लागू किए हैं। अब पूरे मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। अब किसी भी तरह के वाहनों को अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। पूरे प्रयागराज शहर में चार पहिया वाहनों पर रोक रहेगी। सिर्फ बाइक चल सकती हैं।

मेला क्षेत्र में आने-जाने वाली गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने और सभी वीआईपी पास रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं। चार फरवरी तक श्रद्धालुओं को पैदल ही संगम तक जाने की इजाजत होगी। प्रयागराज शहर में भी 4 पहिया गाड़ियों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। शहर में सिर्फ बाइक, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड को जाने की अनुमति होगी।

मौनी अमावस्या के हादसे से सबक लेते हुए सरकार ने मेला क्षेत्र के भीतर रास्तों को वन-वे कर दिया है। अब श्रद्धालुओं को स्नान के बाद दूसरे रास्ते से वापस भेजा जाएगा। इसके अलावा, प्रयागराज में आने वाले 8 प्रमुख बॉर्डरों को बंद कर दिया गया है, जिससे भीड़ नियंत्रण में मदद मिलने की उम्मीद है।

योगी सरकार द्वारा जारी सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि वीआईपी व वीवीआपी मूवमेंट को लेकर एक सप्ताह पहले ही सूचना उपलब्ध करानी होगी। इसी के साथ, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के स्नानों पर श्रद्धालुओं से प्रस्तावित भारी भीड़ के बीच धैर्य बनाए रखने की विनती करते हुए इन तिथियों व इसके आसपास ऐहतियात बरतने की अपील भी की गई है।गुरुवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का मेला क्षेत्र में आना जारी रहा। मंगलवार देर रात हुई भगदड़ की घटना का यहां आ रहे श्रद्धालुओं पर कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा। प्रदेश सरकार के अनुसार, गुरुवार को शाम चार बजे तक 1.77 करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मेला, वैभव कृष्ण ने गुरुवार को कहा कि पुलिस आगामी बसंत पंचमी (तीन फरवरी) पर अमृत स्नान के लिए सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त में लगी है। पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को भीड़ का दबाव अपेक्षाकृत कम हुआ है और सभी पुल फिर से खोल दिए गए हैं जिससे मेला क्षेत्र में आवागमन सुगम हो सके। हालांकि, बसंत पंचमी के पूर्व बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए प्रमुख स्थानों पर नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

डीआईजी ने स्पष्ट किया कि मौनी अमावस्या की तरह आगामी अमृत स्नान पर भी विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) की आवाजाही पर रोक बनी रहेगी। पुलिस अधीक्षक (यातायात) अंशुमान मिश्रा ने बताया कि मेला में भीड़ कम होने तक वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी। जब तक भीड़ मेला क्षेत्र से बाहर नहीं निकल जाती, बाहर की गाड़ियों को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

कांग्रेस की भांति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी में बुलाया गया और पार्टी का नेतृत्व सौंपा गया। येद्दियुरप्पा ने इसका परिणाम भी दिया। लेकिन संगठनात्मक फेर बदल में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने येद्दियुरप्पा को शिफ्ट कर दिया और उनके बेटे को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया।

येद्दियुरप्पा के आलोचक खुलकर सामने नहीं आ पाए। उन्हें डर था कि पार्टी में उन्हें साइडलाइन कर दिया जाएगा और उन्हें राजनीति से बाहर किया जा सकता है। पर अब पार्टी नेता सामने आ रहे हैं और विजयेन्द्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर सवाल उठा रहे हैं। बसनगौडा पाटिल यतनाल के नेतृत्व में एक गुट सक्रिय हो गया है। उन्हें अन्य नेताओं का भी समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने कई विधायकों और पूर्व मंत्रियों को अपनी तरफ कर लिया है, जिनमें येद्दियुरप्पा गुट के कई नेता भी शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ विद्रोह कर रहे नेताओं की फिक्र यही है कि अगले चुनाव तक कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा और इसमें तीन साल का वक्त है।

लेकिन पार्टी का एक गुट है, जो मानता है कि केन्द्रीय नेतृत्व दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद कर्नाटक के मसले पर ध्यान दे सकता है।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों वहां बनी झोपड़ी में चार दिन तक पति-पत्नी की तरह रहे। इस दौरान, प्रकाश ने उसकी मर्जी से रोजाना संबंध बनाए। पीड़िता ने अदालत को यह भी बताया कि प्रकाश से उसके रिश्ते की बात भी चल रही थी। वहीं, अभियुक्त की ओर से कहा गया कि पीड़िता की उम्र साबित नहीं है। अभियुक्त की ओर से कहा गया कि भट्टा संचालक ने भी अपने बयान में पीड़िता को बालिग होने के आधार पर ही काम पर रखने का बयान दिया है, जिससे साबित है कि पीड़िता बालिग थी और दोनों के बीच सहमति से संबंध बने थे। ऐसे में उसे पॉक्सो और दुष्कर्म के लिए दंडित नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने पीड़िता को नाबालिग मानते हुए अभियुक्त को सजा सुनाई है।

'मैरिट के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छह पदों को भरना था। याचिकाकर्ता के मैरिट में आने पर उसे दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया।

इसके लिए जारी मैरिट लिस्ट में याचिकाकर्ता को एमबीसी वर्ग में छठे स्थान पर बताया गया।

याचिका में कहा गया कि दस्तावेज सत्यापन के बाद विभाग ने अंतिम मैरिट सूची जारी की, लेकिन उसमें एमबीसी वर्ग से केवल पांच अभ्यर्थियों को ही शामिल किया गया। वहीं, छठे स्थान पर आई याचिकाकर्ता को चयन से वंचित कर दिया। ऐसे में उसे नियुक्ति दी जाए।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908